राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण गुरुवार, 30 जुन 2022 वर्ष-5,अंक-155 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

महाराष्ट्र सीएम उद्धव ठाकरे का इस्तीफा, अब नहीं होगा फ्लोर टेस्ट

महाराष्ट्र के सीएम उद्धव ठाकरे ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने फेसबुक लाइव के माध्यम से इस्तीफे का ऐलान किया। सीएम पद के अलावा उन्होंने विधान परिषद से भी इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने इस दौरान कहा कि मेरे पास शिवसेना है। मैं नहीं चाहता कि शिवसैनिकों का खून बहे। ठाकरे ने कहा कि मैं आया भी अनपेक्षित रूप से था और जा भी अनपेक्षित रूप से रहा हूं। मतलब हमेशा के लिए नहीं जा रहा हूं मैं यहीं रहूंगा और शिवसेना भवन में फिर जा कर बैठूंगा, अपने सभी लोगों को एकत्र करूंगा।

इस्तीफा देने राजभवन पहुंच रहे हैं उद्धव ठाकरे

महाराष्ट्र के सीएम उद्धव ठाकरे ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने फेसबुक लाइव के माध्यम से इस्तीफे का ऐलान किया। इसके बाद उद्धव ठाकरे अपना इस्तीफ सौंपने राजभवन पहुंचने वाले हैं। आपको बता दें कि महाराष्ट्र सरकार ने फ्लोर टेस्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को निराश करते हुए बहुमत परीक्षण की इजाजत दे दी थी। इसके बाद ही सीएम उद्धव ने फेसबुक लाइव के माध्यम से इस्तीफे का एलान कर दिया।

कोरोना के मामलों में बड़ा उछाल, 24 घंटे में 14506 नए केस; एक लाख के करीब हुए एक्टिव मरीज

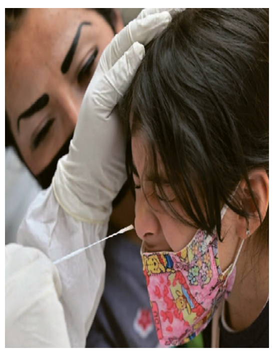

नई दिल्ली। भारत में एक दिन बाद कोरोना के मामलों में फिर इजाफा देखने को मिला है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि बीते 24 घंटे में देश में कोरोना संक्रमण के 14,506 मामले सामने आए हैं। वहीं, इस दौरान महामारी से 30 लोगों की मौत भी हुई है। बता दें कि एक दिन पहले ही कोरोना के 11,793 केस दर्ज किए गए थे।

एक लाख के करीब हुए एक्टिव केस

मंत्रालय ने बताया कि एक्टिव केस बढ़कर 99,602 हो गए हैं। गुरुवार को ये आंकड़ा एक लाख के पार होने की उम्मीद है। देश में कल एक्टिव मरीजों की संख्या 96,700 थी। डेली पाजिटिविटी दर 3.35 प्रतिशत हो गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, अब तक कुल 4 करोड़ 34 लाख 33 हजार 345 मामले सामने आ चुके हैं। कोरोना से कुल 4 करोड़ 28 लाख 8 हजार 666 लोग ठीक हो चुके हैं। साथ ही 5 लाख 25 हजार 77 लोगों की मौत भी हो चुकी है।

197.35 करोड़ के पार हुए वैक्सीनेशन का आंकड़ा

इसके साथ ही देश में कोरोना वैक्सीन की 197.35 करोड़ से ज्यादा खुराक लगाई जा चुकी है। 101.62 करोड़ से ज्यादा लोगों को पहली डोज दी जा चुकी है जबकि 91.35 करोड़ से ज्यादा दूसरी खुराक लगाई जा चुकी है। इसके अलावा सवा चार करोड़ से ज्यादा लोगों को प्रीकाशन डोज भी दी जा चुकी है।

महाराष्ट्र के पालघर केमिकल प्लांट में भीषण आग, 10 धमाके सुने गए; कई किमी तक दिखी आग

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के पालघर में तारापुर में एक केमिकल फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। घटना मंगलवार रात की है, जब महाराष्ट्र इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन प्लांट में एक के बाद एक 10 से 12 धमाके हुए। धमाके के बाद आस-पास के इलाके में हड़कंप मच गया। दमकल विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि मौके पर फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां आग बुझाने का काम कर रही हैं। अधिकारी के मुताबिक आग पर जल्द काबू नहीं पाया गया तो बड़ा आर्थिक नुकसान हो सकता है। आग इतनी भयंकर है कि इसकी लपटें कई किलोमीटर तक दिखाई दे रही थीं। प्लांट में आग लगने की वजह से इलाके केमिकल धुआं फैल गया, जिसकी वजह से वहां के लोगों को सांस लेने में मुश्किल हो रही हैं। हालांकि आग किस वजह से लगी इसके कारणों का अब तक पता नहीं चल पाया है।

कन्हैया की गिरफ्तारी में चुस्त पुलिस धमकी पर क्यों थी सुस्त ?

15 जून को हुई सबसे बड़ी गलती

उदयपुर। राजस्थान के उदयपुर में टेलर कन्हैयालाल की निर्मम हत्या ने पूरे देश को सन्न कर दिया है। नूपुर शर्मा के समर्थन में एक पोस्ट की वजह से कट्टरपंथियों ने इस्लामिक स्टेट के आतंकियों की तर्ज पर कन्हैया की गर्दन काट डाली। कन्हैया के मर्डर पर राजस्थान पुलिस भी सवालों के घेरे में आ गई है। खुद गहलोत सरकार भी पुलिस महकमे से चूक को स्वीकार कर रही है। लेकिन अभी सिर्फ एएसआई को सस्पेंड किया गया है।

कन्हैया को गिरफ्तार करने में तो चुस्त थी पुलिस

दरअसल नूपुर शर्मा को लेकर कन्हैयालाल के फोन से गलती से हुई पोस्ट को लेकर कुछ लोगों ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। इस शिकायत पर त्वरित ऐक्शन लेते हुए उदयपुर पुलिस ने कन्हैयालाल को गिरफ्तार कर लिया। हालांकि, बाद में उसे कोर्ट से जमानत मिल गई।

फिर क्यों सुस्त हुई पुलिस

जमानत मिलने के बाद कन्हैया को कट्टरपंथियों से धमकियां मिलने लगीं। उसे अलग-अलग नंबरों से फोन और मैसेज के जरिए जान से मारने की धमकी दी जाने लगी। खुद की जान पर खतरे को देखते हुए कन्हैया 15 जून को उसी थाने में शिकायत और गुहार लेकर पहुंचा, जहां की पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया था। उसने धमकियों की जानकारी देते हुए अपनी जान की रक्षा की गुहार लगाते हुए सुरक्षा की मांग की।

डाकिया डाक लाया है...

चिट्ठियां पहुंचाने हर रोज पहाड़ों पर 32 किलोमीटर पैदल चलते हैं प्रेमलाल, मिला यह सम्मान

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश के लाहौल में दूर-दराज के लोगों तक उनकी चिट्ठियां पहुंचाने के लिए हर रोज करीब 32 किलोमीटर पैदल चलने वाले पोस्टमैन प्रेम लाल को डाक विभाग का प्रतिष्ठित मेघदूत पुरस्कार मिला। सूबे के मंडी मंडल में मेल रनर के पद पर तैनात प्रेम लाल के क्षेत्र में लाहौल की उदयपुर शालग्रान मेल लाइन एरिया आता है, जिसे कवर करने के लिए करीब 32 किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ती है। आपको बता दें कि यह पुरस्कार वर्ष 1984 में शुरू किया गया था और यह डाक विभाग को राष्ट्रीय स्तर पर सर्वोच्च पुरस्कार है। यह आठ श्रेणियों में दिया जाता है। पुरस्कार स्वरूप 21 हजार रुपये, पदक और प्रमाण पत्र प्रदान किये जाते हैं।

समुद्र तल से 9000 फीट की ऊंचाई पर है यह इलाका

पोस्टमैन प्रेमलाल के प्रशस्ति पत्र में लिखा है, जिस इलाके में आप काम करते हैं, वह साल में अधिकांश वक्त तक बर्फ से ढका रहता है। इस इलाके में सर्दियों के दौरान हिमस्खलन भी होता है। इस जोखिम और खतरे से भरे रास्ते पर प्रेमलाल हर दिन अपनी यात्रा को निर्बाध रूप से पूरा करते हैं। बता दें कि यह इलाका समुद्र तल से 9000 फीट से अधिक की ऊंचाई पर है।

केन्द्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मिशन कर्मयोगी की कल्पना के अनुरूप डाक विभाग द्वारा विकसित ई लर्निंग पोर्टल डाक कर्मयोगी को भी इस दौरान लॉन्च किया। प्रेमलाल के अलावा इस मौके पर जिन कर्मचारियों को मेघदूत पुरस्कार से नवाजा गया है उनमें ओडिशा परिमंडल के कटक दक्षिण मंडल के बांकी तुलसीपुर शाखा डाकघर के डाकपाल अशोक कुमार साहू, कर्नाटक परिमंडल के कार्यालय में पदस्थ डाक सहायक धंनजय टी, दिल्ली परिमंडल के मेल मोटर सर्विस के तकनीकी पर्यवेक्षक विजेन्द्र सिंह राणा, महाराष्ट्र परिमंडल के गोवा क्षेत्रीय कार्यालय के सहायक डाक अधीक्षक संदीप गुंडू कडगांवकर, बिहार परिमंडल कार्यालय में पदस्थ सहायक निदेशक रणधीर कुमार, हैदराबाद में स्थित सीईपीटीके उप प्रबंधक चल्ला सी नागेष और तमिलनाडु डाक परिमंडल के दक्षिण क्षेत्र मदुरै के सहायक निदेशक के कलैवाणी शामिल हैं।

बरसात के बाद उत्तराखंड में 88 सडकें बंद

देहरादून। उत्तराखंड में हो रही बारिश की वजह से नेशनल हाईवे सहित 88 सड़कें बंद हो गई। इससे लोगों को आवाजाही में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता अयाज अहमद ने बताया कि बंद सड़कों को खोलने के लिए 233 जेसीबी मशीनें लगाई गई हैं। उन्होंने बताया कि सोमवार तक राज्य में 64 सड़कें बंद थी। लेकिन बुधवार को हुई बारिश से 60 अन्य सड़कें भी बंद हो गई। हालांकि दिनभर में विभाग की ओर से बंद में से 36 सड़कों को यातायात के लिए खोल दिया गया। जिससे अब राज्य में 88 सड़कें बंद चल रही हैं। उन्होंने कहा कि इन सड़कों को खोलने के प्रयास चल रहे हैं। बारिश के बाद सड़कें बंद होने से तीर्थ यात्रियों की भी मुश्किलें दोगुनी हो गई है। सड़क बंद होने से यात्रियों को सड़क पर ही रात गुजारनी पड़ रही है। प्रशासन द्वारा बंद सड़कों को खोलने को युद्धस्तर पर कार्य किया गया है, ताकि यात्रियों की मुश्किल कम हो सके।विभागीय सूत्रों की मानें तो पर्वतीय जिलों में खराब मौसम बंद सड़कों को खोलने में बाधा बन रहा है।

राज्य में प्रमुख रूप से बंद सड़कों में थल-मुन्सयारी राज्य मार्ग, बडेथी- बद्रीगाड मोटर मार्ग, लम्बगांव- मोटना - रजाखेत - घनसाली मोटर मार्ग, हरिपुर- इच्छाड़ी- क्वानू- मीनस मोटर मार्ग, कालसी-चकराता मोटर मार्ग और चकराता- लाखामंडल मोटर मार्ग शामिल हैं।

कुमाऊं में बारिश से नदियां उफनाईं, कई सड़कें बंद

हल्द्वानी। कुमाऊं भर में मौसम में अचानक आए बदलाव के साथ मंगलवार को बारिश हुई। पर्वतीय जिलों में हुई बारिश से कुछ प्रमुख मार्गों सहित काफी संख्या में ग्रामीण मार्ग भी मलबा आने से बंद हो गए। प्रमुख सड़कों में थल-मुनस्यारी और जौलजीबी-मुनस्यारी सड़क बंद हो गई हैं।

शुरू हुई बाबा अमरनाथ की यात्रा, श्रद्धालुओं का पहला जत्था हुआ रवाना

श्रीनगर। बहुप्रतीक्षित बाबा अमरनाथ की यात्रा शुरू हो गई है और इस यात्रा का पहला जत्था जम्मू से रवाना हो गया। भारी संख्या में श्रद्धालु इस बार बाबा अमरनाथ की यात्रा पर पहुंचे हैं। जम्मू के शिविर में उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने यात्रा के पहले जत्थे को झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान पूजा अर्चना भी की गई। बम-बम भोले और जय बाबा बर्फानी जैसे जयकारों के बीच श्रद्धालुओं का जोश देखते ही बन रहा। दरअसल, अमरनाथ यात्रियों के पहले जत्थे को जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने यात्री निवास भवन जम्मू से झंडी दिखाकर रवाना किया। बताया जा रहा है कि करीब तीन हजार से ज्यादा श्रद्धालु तड़के कश्मीर घाटी के लिए रवाना हो गए। यह यात्रा कोरोना संक्रमण की वजह से दो साल हो रही है। श्रद्धालु मंगलवार को

आतंकी खतरों की आशंका के बावजूद अमरानथ यात्रा के लिए जम्मू के आधार शिविर पहुंचे। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने विधिवत रूप में बाबा अमरनाथ की यात्रा रवाना होने से पहले पूजा अर्चना की और फिर शिव के भक्त जनों के मंत्र उच्चारण के बाद यात्रा को रवाना किया गया। जम्मू के आधार शिविर में भारी संख्या में श्रद्धालु इस बार पहुंचे हुए हैं। यात्रा की शुरुआत 30 जून से परंपरागत दोहरे मार्ग से होगी। एक मार्ग दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में 48 किलोमीटर लंबा नूनवान है। दूसरा मध्य कश्मीर के गांदरबल में 14 किलोमीटर लंबा बालटाल मार्ग है।

यात्रा पर आतंकी खतरे की आशंका-जम्मू में बाबा अमरनाथ यात्रा के आधार शिविर में सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए हैं। आतंकी हमले के खतरे को देखते हुए इस बार अलर्ट जारी किया गया है और सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। जम्मू से लेकर कश्मीर तक श्रद्धालु कड़ी सुरक्षा के बीच यात्रा के लिए पहुंचेंगे। पहला जत्था रवाना होने से पहले सभी सुरक्षाबलों ने आधार शिविर के भीतर सभी गाड़ियों की जांच की। अलग-अलग एजेंसियों ने कड़ी पूछताछ के बाद गाड़ियों को रवाना किया।

सीआरपीएफ के बाइक स्कॉड कमांडो यात्रियों को सुरक्षा प्रदान कर रहे हैं। भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा और नियंत्रण रेखा पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। यात्रा से पहले लश्कर ने धमकी दी है। जानकारी के मुताबिक यात्रियों को ले जाने वाले वाहनों पर रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन टैग लगाए गए हैं। सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। जम्मू-कश्मीर प्रशासन को इस साल रिकॉर्ड संख्या में श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है।

राजधानी दिल्ली में आज मानसून देगा दस्तक, यूपी-बिहार सहित 15 राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी

नई दिल्ली। उत्तर भारत में पड़ रही गर्मी से आज राहत मिलने के आसार हैं। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 30 जून को गर्मी के बीच बारिश होने की संभावना हैं। वहीं, एक-दो दिन में मानसून राजधानी दिल्ली में दस्तक दे सकता है। इसके बाद रोजाना झमाझम बारिश होगी। हालांकि, राजधानी में आज अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक राजधानी दिल्ली व आसपास के इलाकों में बारिश की संभावना है। गुजरात के अहमदाबाद में आंधी-तूफान के साथ बारिश होगी। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में भी आज बारिश के आसार हैं। इसके अलावा, चंडीगढ़ की बात करें तो यहां न्यूनतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस रहेगा, जबकि अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस तक जाएगा। आंधी तूफान और बारिश की संभावना है।

उत्तराखंड में भी तेज बारिश का सिलसिला शुरू हो गया है। राजस्थान के जयपुर की बात करें तो यहां भी आंधी पानी जारी रहेगा। यूपी-बिहार की बात करें तो दोनों जगह आज कई जिलों में बारिश की संभावना है।

दिल्ली में कल मानसून दे सकता है दस्तक

मौसम विभाग के मुताबिक राजधानी

दिल्ली में बुधवार यानी आज दिन में उमस भरी गर्मी रहेगी। शाम से 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से झोंकेदार हवा चल सकती है और रात में कई इलाकों में वर्षा होगी। मौसम के अनुसार 30 जून को दिल्ली में मानसून पहुंचेगा। इस वजह से बृहस्पतिवार को मौसम विभाग ने आरेंज अलर्ट जारी किया है। क्योंकि कई इलाकों में उस दिन तेज वर्षा हो सकती है। मौसम विभाग के विशेषज्ञ आरके जेनामणि ने कहा कि 30 जून व एक जुलाई को अच्छी बारिश होने की संभावना है। इससे गर्मी से राहत मिलेगी।

इन राज्यों में आज बारिश के आसार

मौसम विभाग ने देश के कई राज्यों में आज और आने वाले दिनों के लिए भारी बारिश के आसार जताए हैं। हिमाचल प्रदेश में आज और कल, उत्तराखंड में आज और कल (29, 30 जून) भारी बारिश के संकेत हैं। पश्चिमी यूपी में 30 जून, पूर्वी यूपी में 29 और 30 जून, पूर्वी राजस्थान में 30 जून व एक जुलाई को बारिश की संभावना है। इसके अलावा, मध्य प्रदेश में आज, छत्तीसगढ़ में आज और कल बारिश की संभावना है। वहीं, ओडिशा, झारखंड, केरल, कर्नाटक, गोवा, महाराष्ट्र, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान में भी बारिश हो सकती है।

सुविचार — फल की अभिलाषा छोड़कर कर्म करनेवाला मनुष्य ही मोक्ष प्राप्त करता है। - गीता

संपादकीय

इस्लाम के दुश्मन हैं ये हत्यारे

(लेखक - डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

कल उदयपुर में जिस तरह एक हिंदू दर्जी कन्हैया की दो मुसलमानों ने हत्या की है, उससे अधिक लोमहर्षक घटना क्या हो सकती है? इस घटना की खबर टीवी चैनलों पर देखकर सारे देश के रोंगटे खड़े हो गए। इसके पहले भी सांप्रदायिक मूढ़ता के चलते कई इसी तरह की छोटी-मोटी घटनाएं कई मजहबी लोग एक-दूसरे के खिलाफ करते रहे हैं लेकिन यहां असली सवाल यही है कि ऐसा घृणित काम करके ये लोग क्या अपने धर्म या मजहब या संप्रदाय की इज्जत बढ़ाते हैं? बिल्कुल नहीं। ये लोग अपने कुकृत्य के कारण अपने धर्म और अपने धार्मिक महापुरुषों को कलंकित करते हैं। जिन दो मुसलमान युवकों ने उदयपुर के उस निहत्थे हिंदू दर्जी की हत्या की है, वे इस्लाम और पैगंबर मोहम्मद के भक्त नहीं, पक्के दुश्मन हैं। दर्जी का दोष यही है कि उसने भाजपा प्रवक्ता के पैगंबर संबंधी बयान का समर्थन कर दिया था। अभी तक लोगों को यह पता नहीं है कि प्रवक्ता ने वह बयान क्यों दिया था और उसमें किन शब्दों का प्रयोग किया गया था? सिर्फ कुप्रचार और अफवाहों पर भरोसा करके कोई हत्या-जैसा संगीन अपराध कर दे, इससे क्या संकेत मिलता है? यदि किसी व्यक्ति ने किसी मजहब या उसके महापुरुष पर उंगली उठाई है तो भी क्या उस व्यक्ति की हत्या उसका सही जवाब है? नहीं। इसका उल्टा है। यदि उस व्यक्ति के गलत तथ्यों को मजबूत तर्कों से काटा जाता तो वह सही जवाब होता। उसकी हत्या करके तो आप उसके द्वारा बोली गई अनर्गल बात को करोड़ों लोगों तक पहुंचाने का काम कर रहे हैं। यह संतोष का विषय है कि अनेक मुस्लिम संगठनों और मुस्लिम नेताओं ने कन्हैया के हत्यारों की दो-टूक भर्त्सना की है और उन्हंह कठोरतम दंड देने की अपील की है। इन हत्यारों को हफ्ते-दो-हफ्ते में ऐसी भयंकर सजा मिलनी चाहिए कि जो सारी दुनिया के लिए सबक बन जाए। यदि कन्हैया को राजस्थान पुलिस की सुरक्षा कुछ दिन और मिली होती तो इस भयानक हादसे से शायद बचा जा सकता था लेकिन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने हत्यारों को तुरंत पकड़ने और शांति बनाए रखने के लिए काफी मुस्तैदी दिखाई है। क्या संयोग है कि इधर कन्हैया की हत्या हुई और उधर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संयुक्त अरब अमीरात की यात्रा पर पहुंचे। मुझे आश्चर्य है कि जिन अरब देशों ने भाजपा प्रवक्ता के पैगंबर संबंधी बयान को लेकर तूफान खड़ा किया था, अभी तक इस हत्याकांड पर उनकी कोई प्रतिक्रिया क्यों नहीं आई? यह संतोष का विषय है कि इस हत्याकांड को लेकर भारत का हिंदू समुदाय भयंकर दुखी तो है लेकिन उसने अभी तक कोई हिंसक प्रतिक्रिया नहीं की है। देश के लगभग सभी मुसलमान इस क्रूर हत्याकांड को निदंनीय मानते हैं। यह ऐसा नाजुक मौका है, जब भारत के सभी लोगों को सैकड़ों-हजारों वर्ष पहले उनके धर्मग्रंथों में कही गई पोगापंथी बातों की उपेक्षा करनी चाहिए और अपने सार्वजनिक जीवन में भारतीय संविधान को सर्वोपरि मानना चाहिए।

चिंताजनक है युवाओं में बढ़ती मादक पदार्थों के सेवन की प्रवृत्ति

(लेखक- योगेश कुमार गोयल)

मादक पदार्थों का सेवन अब मानवता के प्रति सबसे बड़े अपराध का रूप धारण कर चुका है। भारत में मादक पदार्थों के सेवन की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है। चिंता का विषय यह है कि अब यह प्रवृत्ति केवल शहरी क्षेत्रों तक ही सीमित नहीं रही है बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी नशे का जाल फैलता जा रहा है। ग्रामीण इलाकों में अफीम, चरस, गांजा, हेरोइन आदि के अलावा इंजेक्शन के जरिये लिए जाने वाले मादक पदार्थों का भी इस्तेमाल होने लगा है। रईसजादे युवक-युवतियों की रेव पार्टियां तो नशे का भयावह आधुनिक रूप है, जहां राजनीतिक संरक्षण के चलते प्रायः पुलिस भी हाथ डालने से बचती है। हालांकि कभी-कभार रेव पार्टियों पर छापा मारकर नशे में मदमस्त लड़के-लड़कियों को गिरफ्तार किया जाता रहा है, जिससे पता चलता रहा है कि देश का आज कोई भी महानगर ऐसा नहीं है, जहां ऐसी रेव पार्टियां रईसजादों की रोजमर्रा की जीवनशैली का हिस्सा न हों। वास्तव में रेव पार्टियां धनाढ्य बिगड़ैल युवाओं की नशे की पार्टियों का ही आधुनिक रूप हैं। कोकीन हो या अन्य ऐसे ही मादक पदार्थ, जिनमें गंध नहीं आती, रसूखदार परिवारों के बिगड़े हुए युवाओं का मनपसंद नशा बनते जा रहे हैं। इस बात से बेखबर कि ये तमाम मादक पदार्थ सीधे शरीर के तंत्रिका तंत्र पर हमला करते हैं और शरीर को भयानक बीमारियों की सौगात देते हैं, ऐसे युवा चंद पलों के मजे के लिए इनके गुलाम बन जाते हैं। युवाओं को मादक पदार्थों के करीब लाने में इंटरनेट की भूमिका को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। भारत में नशीले पदार्थों का सेवन करने वालों में करीब चालीस फीसदी कॉलेज छात्र हैं, जिनमें लड़कियों की संख्या भी काफी ज्यादा है। देश के अनेक कॉलेजों में तो अब स्थिति यह है कि बहुत से कॉलेजों के अंदर ही आसानी से नशीले पदार्थ उपलब्ध हो जाते हैं। स्कूल-कॉलेजों के छात्र अक्सर अपने साथियों के कहने या दबाव डालने पर या फिर मॉडर्न दिखने की चाहत में इनका सेवन आरंभ करते हैं। कुछ युवक मादक पदार्थों से होने वाली अनुभूति को अनुभव करने के लिए, कुछ रोमांचक अनुभवों के लिए तो कुछ मानसिक तौर पर परेशानी अथवा हताशा की स्थिति में इनका सेवन शुरू करते हैं। मानव जीवन की रक्षा के लिए बनाई जाने वाली कुछ दवाओं का उपयोग भी लोग अब नशा करने के लिए करने लगे हैं। देश में नशे के फैलते जाल का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि मादक पदार्थ न सिर्फ मानव शरीर की सुंदरता को नष्ट कर शरीर को खोखला बनाते हैं बल्कि इनका उपयोग युवा पीढ़ी की क्षमताओं को नष्ट कर उनकी सृजनशीलता को भी मिटा रहा है तथा देश के सामाजिक और आर्थिक ढ़ांचे को पंगु बना रहा है। एक बार मादक पदार्थों की लत लग जाए तो व्यक्ति इनके बिना रह नहीं पाता। यही नहीं, उसे पहले जैसा नशे का प्रभाव पैदा करने के लिए और अधिक मात्रा में मादक पदार्थ लेने पड़ते हैं। इस तरह व्यक्ति इनका गुलाम बनकर रह जाता है। वर्ष 1993 में मैंने नशे के दुष्प्रभावों पर एक पुस्तक 'मौत को खुला निमंत्रण' लिखी थी, जिसमें मैंने विस्तार से यह स्पष्ट किया था कि अधिकांश लोगों में कुछ गलत धारणाएं विद्यमान होती हैं, जैसे मादक पदार्थों के सेवन से व्यक्ति की सृजनशीलता बढ़ती है और इससे व्यक्ति में सोच-विचार की क्षमता, एकाग्रता तथा यौन सुख बढ़ता है लेकिन वास्तविकता यही है कि नशे के शिकार लोगों की सोच-विचार की क्षमता और इसकी स्पष्टता खत्म हो जाती है तथा उनके कार्यों में भी कोई तालमेल नहीं रहता। इनके सेवन से कुछ समय के लिए संकोच की भावना जरूर मिट जाती है लेकिन अंततः इससे शरीर की सामान्य कार्यक्षमता में गिरावट आती है। दरअसल नशीली दवाएं या नशीले पदार्थ ऐसे रासायनिक पदार्थ हैं, जो हमारे शरीर की कार्यप्रणाली को बदल देते हैं। कोई भी रसायन, जो किसी व्यक्ति की शारीरिक या मानसिक कार्यप्रणाली में बदलाव लाए, मादक पदार्थ कहलाता है और जब इन मादक पदार्थों का उपयोग किसी बीमारी के इलाज या बेहतर स्वास्थ्य के लिए दवा के तौर पर किया जाए तो यह मादक पदार्थों का सही उपयोग कहलाता है लेकिन जब इनका उपयोग दवा के रूप में न होकर इस प्रकार किया जाए कि इनसे व्यक्ति की शारीरिक या मानसिक कार्यप्रणाली को नुकसान पहुंचे तो इसे नशीली दवाओं का दुरूपयोग कहा जाता है। मादक पदार्थों के सेवन का आदी हो जाने पर व्यक्ति में प्रायः कुछ लक्षण प्रकट होते हैं, जिनमें खेलकूद और रोजमर्रा के कार्यों में दिलचस्पी न रहना, भूख कम लगना, वजन कम हो जाना, शरीर में कंपकंपी छूटना, आंखें लाल, सूजी हुई रहना, दिखाई कम देना, चक्कर आना, उल्टी आना, अत्यधिक पसीना आना, शरीर में दर्द, नींद न आना, चिड़चिड़ापन, सुस्ती, आलस्य, निराशा, गहरी चिन्ता इत्यादि प्रमुख हैं। सुई के जरिये मादक पदार्थ लेने वालों को एड्स का खतरा भी रहता है। देशभर में नशे का अवैध व्यापार तेजी से फल-फूलने के पीछे सबसे बड़ा कारण यही है कि नशे के सौदागरों के लिए मादक पदार्थों की तस्करी सोने का अंडे देने वाली मुर्गी साबित हो रही है। विश्व की कुल अर्थव्यवस्था का 15 फीसदी हिस्सा यही व्यापार रखता है। भारत से मादक पदार्थों की तस्करी अफगानिस्तान, पाकिस्तान, चीन, बर्मा, ईरान आदि देशों के जरिये होती रही है और अवसर मिलते ही ये मादक पदार्थ तस्करी के जरिये पश्चिमी देशों में पहुंचा दिए जाते हैं। हालांकि भारत इस अवैध व्यापार में तस्करों के लिए केवल एक पड़ाव का काम करता है लेकिन इसके दुष्प्रभावों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता क्योंकि इस अवैध व्यापार का तस्करी, आतंकवाद, शहरी क्षेत्र के संगठित अपराध तथा आर्थिक एवं व्यावसायिक अपराधों से काफी करीबी रिश्ता है।

इंटरनेशनल नारकोटिक्स कंट्रोल बोर्ड की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भौगोलिक स्थिति के कारण भारत नशीली दवाओं की तस्करी के लिए सबसे अच्छा रास्ता बन गया है। हालांकि नशे के अवैध व्यापार पर लगाम कसने के लिए हमारे यहां अन्य देशों के मुकाबले बहुत कड़े कानून हैं, फिर भी अपराधी अक्सर कानून की कुछ खामियों की वजह से बच निकलते हैं और यही कारण है कि मादक पदार्थों का अवैध व्यापार भारत में निरंतर फल-फूल रहा है। आज युवा पीढ़ी जिस कदर मादक पदार्थों की शिकंजे में फंस रही है, उसके मद्देनजर समाज का कर्त्तव्य है कि वह युवा वर्ग का मार्गदर्शन करते हुए उसे उचित मार्ग दिखलाए और गलत मार्ग पर चलने से रोके। ऐसे कार्यों को केवल सरकार के ही भरोसे छोड़ देना उचित नहीं बल्कि समाज को भी इस दिशा में ठोस पहल करनी होगी।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार तथा नशे के दुष्प्रभावों पर पुरस्कृत पुस्तक 'मौत को खुला निमंत्रण' के लेखक हैं)

गर्भपात को लेकर अमेरिका का रुख

लेखिका- सोनम लववंशी

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करने वाली महिलाओं के लिए गर्भपात कानून में बदलाव करने का निर्णय लिया है। इसके तहत पांच दशक पुराने गर्भपात कानून पर रोक लगा दी गई। अब अमेरिका में 50 साल पुराना संवैधानिक संरक्षण समाप्त हो गया। साथ ही अमेरिका के सभी राज्य गर्भपात को लेकर अपने नियम खुद बना सकेंगे। इस फैसले के बाद सम्भवतः अमेरिका के कुछ राज्यों में गर्भपात पर पूरी तरह से प्रतिबंध लग जाएगा। देखा जाए तो यह फ़ैसला कहीं न कहीं महिलाओं के लैंगिक समानता और मानवाधिकार के ख़िलाफ़ है। अमेरिका में 1973 को रो बनाम वेड मामले में सुप्रीम कोर्ट ने गर्भपात को संवैधानिक अधिकार का दर्जा दिया था। अमेरिका गर्भपात का अधिकार वापस लेने वाला पहला देश बन गया है। पिछले 25 सालों में दुनिया ने गर्भपात को लेकर कानूनों में कई बदलाव किए। लेकिन, तीन देश ही ऐसे है जहां गर्भपात को कठिन बनाने के लिए कड़े नियम कानून बनाए गए है। दुनिया में आज भी 67 देश ऐसे जहां गर्भपात कराना बहुत ही आसान है। इन देशों में बिना वजह बताए सरलता से गर्भपात कराया जा सकता है। अधिकतर देशों में शुरुआती तीन महीनों में गर्भपात कराना गैरकानूनी नहीं माना गया। जबकि, 26 देश तो ऐसे हैं। जहां गर्भपात कराना पूरी तरह से प्रतिबंधित है। फ़िर चाहे माँ या बच्चे की जान पर ही बात क्यों न आ जाए। भारत की बात करें तो हमारे देश में गर्भपात को लेकर कोई सख़्त नियम नहीं है। भारत में सुरक्षित गर्भपात कराना कानूनी अधिकार है। हमारे देश में गर्भपात के लिए 'मेडिकल टर्मिनेशन ऑफप्रग्नेंसी एक्ट 1971' में बना था। इसके बाद 2021 में इस एक्ट में कुछ सुधार किए गए। इसके साथ ही कुछ विशेष परिस्थितियों में महिलाओं को मेडिकल गर्भपात 20 सप्ताह से बढ़ाकर 24 सप्ताह कर दिया गया है। संशोधित कानून के तहत दुष्कर्म पीड़िता या नाबालिग लड़की 24 हफ्ते तक गर्भपात करा सकती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, हर साल 2.5 करोड़ असुरक्षित गर्भपात होते है। जिसमें करीब 37 हजार महिलाओं की मौत तक हो जाती है। वैसे गर्भपात पर प्रतिबंध लगा देने मात्र से गर्भपात के आकंड़े कम नहीं होंगे, बल्कि गैरकानूनी तरीके से गर्भपात कराने के आंकड़े जरूर बढ़ जाएंगे। एक अनुमान के मुताबिक कोरोना महामारी के पहले साल ही 14 लाख महिलाएं अनचाहे गर्भ का शिकार हो गई थी। हाल ही में संयुक्त राष्ट्र की वार्षिक रिपोर्ट में भी इस बात का खुलासा हुआ कि दुनिया में हर साल 12.1 करोड़ से ज्यादा महिलाओं को अनचाहे गर्भधारण का सामना करना पड़ता है। यहां अनचाहे गर्भधारण से आशय है, महिलाओं को उनकी मर्जी के बिना गर्भवती कर दिया जाना। कई बार जबरदस्ती, कई बार वे मज़बूरी में शिकार बन जाती हैं तो कई बार युद्धकाल की भेंट चढ़ना पड़ता है। ये सदियों से होता आ रहा है और समाज के आधुनिक होने के बाद भी इसमें कोई अंतर नहीं आया। ऐसे में देखा जाए तो गर्भपात पर प्रतिबंध लगाना जायज़ नहीं ठहराया जा सकता! क्योंकि, किसी और के किए की सजा सिर्फ महिलाओं पर मढ़ देना आधी आबादी के अधिकारों का हनन होना है। सवाल तो यह भी उठता है कि अमेरिका जैसे देश में गर्भपात पर प्रतिबंध लगा देने भर से क्या महिलाएं गर्भपात कराना बन्द कर देगी? बच्चे पैदा करने या नहीं करने का अधिकार एक महिला को होना चाहिए। क्या सुप्रीम कोर्ट के फैसले में इस बात पर गौर किया गया था कि जब तक महिला बच्चे को जन्म नहीं दे देती है, तब तक पुरूष साथी की भी जवाबदेही हो कि वह महिला और बच्चे का ख़्याल रखे। जो महिला बच्चे को जन्म ही नहीं देना चाहती क्या वह अपने बच्चे की परवरिश सही ढंग से करेगी! सवाल कई हैं, लेकिन इनके जवाब मौजूदा दौर में कहीं दिखाई नहीं देते। बात अगर भारत के बारे में की जाए, तो आज भी हमारे समाज में महिलाओं के पास अपनी इच्छा से गर्भवती होने या न होने का कोई विकल्प नहीं है। वे इतने सामाजिक और आर्थिक बंधनों में जकड़ी हैं कि इस दिशा में वे सोच ही नहीं पाती। इस बात के पक्ष में कभी कोई महिला आंदोलन भी खड़ा नहीं हुआ। ऐसे में सवाल उठता है कि अनचाहे गर्भ के लिए क्या महिलाएं ही जिम्मेदार हैं! क्या पुरुषों की कोई जवाबदेही नहीं बनती। वैसे हमारे पुरुष प्रधान समाज में अनचाहे गर्भ के लिए महिलाओं को ही क्यों जिम्मेदार ठहरा दिया जाता है। अगर कोई लड़की गर्भवती हो जाए, तो समाज उसे हीनभावना से देखता है। जबकि, कोई उस लड़के को गलत नहीं समझता, जो इस कृत्य में सबसे बड़ा भागीदार होता है। यहां तक कि समाज और परिवार वाले भी लड़के के पक्ष में खड़े हो जाते हैं। ऐसे में यह दोयम दर्जे की मानसिकता कब तक पल्लवित होती रहेगी! अनचाहे गर्भधारण की वज़ह से अनगिनत समस्याओं का सामना महिलाएं तो करती ही हैं। अगर उन्हें ही इसके लिए कसूरवार हर बार ठहराया जाता रहा तो यह कतई उचित नहीं कहा जा सकता। ऐसी परिस्थितियों में गर्भपात करने का अधिकार महिलाओं से नहीं छीना जाना चाहिए। ये सच है कि गर्भपात कराने का सीधा असर महिलाओं के स्वास्थ्य पर ही पड़ता है। ऐसी स्थिति में अनचाहे गर्भ को रोकने के लिए महिलाओं को जागरूक करना जरूरी है। न कि गर्भपात पर प्रतिबंध लगा देना। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ो की माने तो देश दुनिया में 64 देशों में 23 प्रतिशत महिलाएं यौन संबंध बनाने के लिए अपने साथी को इंकार तक नहीं कर पाती! इससे सहज अनुमान लगाया जा सकता है कि 21वीं सदी में महिलाओं की स्थिति क्या है! अभी हाल ही में मेराइटल रेप (विवाहित दुष्कर्म) को लेकर हमारे देश में चर्चा का दौर जारी था। जिसकी गूंज संसद से लेकर सड़क तक सुनाई दी। यहां तक कि इस मुद्दे को लेकर न्यायालय में भी बहस का दौर जारी रहा! लेकिन, हमारा समाज इस मुद्दे पर बंटा हुआ नज़र आया। बात अगर महिलाओं की करें तो हमारे समाज में आज भी महिलाएं सेक्स जैसे गम्भीर मुद्दे पर चर्चा तक नहीं कर पाती और न इसके लिए अपने जीवनसाथी को मना कर पाती है। वर्तमान दौर में हमारे समाज में महिलाओं को यौन हिंसा, लैंगिक असमानता व गरीबी की वजह से भी अनचाहे गर्भ का सामना करना पड़ता है। बात अनचाहे गर्भधारण की करें तो इसकी सबसे बड़ी वजह जानकारी का अभाव होना है।

आज के कार्टुन

सत्य

जग्गी वासुदेव

कबीर एक बुनकर थे-वे एक महान दिव्यदर्शी कवि थे जो आज भी अपनी कविताओं के माध्यम से हमारे बीच जीवित हैं। उन्होंने जो काव्य लिखा था, गाया था, वह उनके जीवन का एक बहुत छोटा सा भाग है। अधिकतर समय वे कपड़ा बुनने का काम करते थे। चूंकि आज हमारे पास केवल उनका काव्य है तो लोगों को लगता है कि उन्होंने बस यही काम किया। नहीं, उनका जीवन तो कपड़ा बुनने में लगा था, काव्य करने में नहीं। उनका बुना हुआ कपड़ा आज नहीं है पर उनकी कही हुई कविताएं आज भी जीवित हैं। मुझे नहीं मालूम कि कितनी खो गई है पर जो बची है वे फिर भी अविसनीय हैं। वे अद्भुत मनुष्य थे पर उनके काव्य के अतिरिक्त हम उनके बारे में कुछ नहीं जानते। स्पष्ट है कि वे अत्यंत गहन अनुभव रखने वाले व्यक्ति थे, इसके बारे में कोई प्रश्न ही नहीं है। लेकिन उनका पूरा जीवन, उनकी मृत्यु और उसके बाद भी, उनकी दिव्यदर्शिता, ज्ञान अथवा स्पष्टता की एक नई दूरदृष्टि जो वे लोगों को देना चाहते थे, उसको लोगों ने महत्त्व नहीं दिया। वे सब बस इसी विवाद में उलझे रहे कि कबीर हिंदू थे या मुस्लिम? लोगों के सामने बस यही मुख्य प्रश्न था। अगर आप को ये मालूम नहीं है तो मैं आप के सामने एक अत्यंत महत्वपूर्ण जानकारी रख रहा हूं- कोई भी इंसान, एक हिंदू या मुस्लिम, या जो ऐसे और भी बेकार के झंझट है, उनमें से किसी रूप में पैदा नहीं होता। ऐसे ही, कोई भी हिंदू या मुस्लिम या ऐसा ही कुछ और हो कर नहीं मरता। मगर जब तक हम यहां पर हैं, तब तक एक बड़ा सामाजिक नाटक चलता रहता है। ये सब कुछ जो आप ने बनाया है-आप के विचार कि आप कौन हैं, आप कौन सा धर्म मानते हैं, कौन सी चीज आप की है, कौन सी चीज आप की नहीं है?-ये सब असत्य है। जो सत्य है वह बस है, आप को उसके बारे में कुछ नहीं करना। इस सत्य की वजह से ही हम हैं। सत्य वह नहीं है जो आप बोलते हैं। सत्य का अर्थ है वे मूल नियम जो जीवन को बनाते हैं और जिनसे सब कुछ होता है। आप अगर कुछ कर सकते हैं तो बस ये चुन सकते हैं, कि आप सत्य के साथ लय में हैं या आप सत्य के साथ लय में नहीं हैं। आप को सत्य की खोज नहीं करनी है, सत्य का कोई अध्ययन भी नहीं करना है।

सू-दोकू नवताल -2153

	4	1	3					
	6		9		4	1		5
3		9			2		7	
	1	5	7		3	4		
		2	8		6	7	9	
	7		1			3		2
8		3	4		7		1	
					8	9	4	

सू-दोकू 2152 का हल

6	8	9	1	5	7	4	2	3
1	7	2	4	6	3	9	8	5
4	3	5	9	8	2	6	7	1
8	6	1	2	7	9	3	5	4
7	2	4	5	3	6	1	9	8
5	9	3	8	1	4	2	6	7
3	5	6	7	2	1	8	4	9
9	1	7	6	4	8	5	3	2
2	4	8	3	9	5	7	1	6

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 x 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 2153

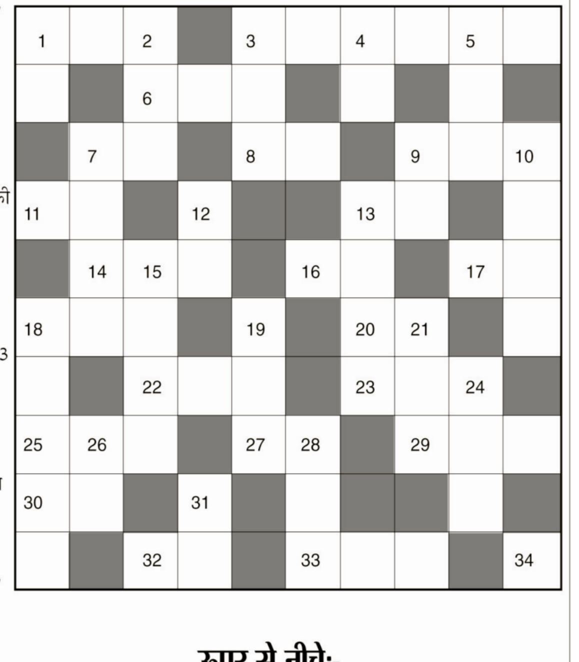

बायें से दायें:-

1. अमिताभ, सलमान खान, जॉन अब्राहम, हेमा, रानी मुखर्जी की एक फिल्म-3
3. शशि कपूर, शर्मिला टैगोर अभिनीत एक फिल्म-3,3
6. तुषार कपूर की 'दिलकश ये एहसास है' गीत वाली फिल्म-3
7. 'बेईमान पिया रे' गीत वाली अजग देवगन, ट्विंकल खन्ना की फिल्म-2
8. मिलिंद सोमण, राज जुत्शी की 'गोरी तोरे नैना बावरे' गीत वाली फिल्म-2
9. धर्मेंद्र, जीतेंद्र, हेमा की गुलजार निर्देशित फिल्म-3
11. सनी देओल, तब्बू की 'एक लड़की बस गई' गीत वाली फिल्म-2
13. 'तुझे रब ने बनाया है कमाल' गीत वाली फिल्म-2
14. सलमान खान, किरण झवेरी की एक फिल्म-3
16. राज कपूर, नर्गिस की फिल्म-2
17. 'फूल मांगूं ना बहार मांगूं' गीत वाली फिल्म-2
18. अष्मित पटेल, मीरा की फिल्म-3
20. 'मुंडिया तो बच के' गीत वाली फिल्म-2
22. अमोल पालेकर, रंजीता की फिल्म-3
23. 'फिर छिड़ी बात, बात फूलों की' गीत वाली फिल्म-3
25. अभिषेक, अजय देवगन, बिपाशा अभिनीत फिल्म-3
27. फिल्म 'हवस' में अनिल धवन की नायिका-2
29. सनी, सुनील शेट्टी की फिल्म-3
30. सुनील शेट्टी की पत्नी का नाम-2
32. 'दिल ने ये जाना' गीतवाली फिल्म-2
33. 'जिंदगी इम्तिहान लेती है' गीतवाली फिल्म-3
34. 'आई ने के सौ टुकड़े' गीतवाली फिल्म-1

ऊपर से नीचे:-

1. राजेश खन्ना, हेमा, दीपक पाराशर की फिल्म-2
2. आमिर खान, ग्रेसी सिंह की फिल्म-3
3. 'जिन्हें हम भूलना चाहें' गीत वाली फिल्म-3
4. फिल्म 'शीशा' में सोनू सूद की नायिका-2
5 विनोद खन्ना, महमूद, भारती की फिल्म-3
7. किशोर कुमार, माला सिन्हा की 'तोड़ो ना दिल बेकरार का' गीत वाली फिल्म-4
9. दिलीप कुमार, रेखा, ममता कुलकर्णी की फिल्म-2
10. शाहरुख, विवेक मुशरान, जुही चावला की फिल्म-4
12. शाहरुख खान, प्रियंका चोपड़ा की फिल्म-2
13. 'मेरे नैना सावन भादों' गीतवाली फिल्म-4
15. विनोद मेहरा, रीना राय की फिल्म-4
18. 'चोरों को सारे नजर आते हैं चोर' गीतवाली फिल्म-2,3
19. विनोद खन्ना, ऋषि, श्रीदेवी, जूही की फिल्म-3
21. 'मेरे गाल छुए जो तू' गीतवाली फिल्म-3
24. राहुल खन्ना, जिम्मी शेरगिल तनुश्री दत्ता की फिल्म-3
26. मंगेशकर बहनों में सबसे छोटी बहन का नाम क्या है?-2
28. अमिताभ, अमृता सिंह, मीनाक्षी की फिल्म-3
31. 'मखमली ये बदन' गीत वाली फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली- 2152

सोना और चांदी की कीमत में गिरावट

मुंबई । वैश्विक बाजार में तेजी के बावजूद घरेलू बाजार में मांग घटने से बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों में नरमी देखी जा रही है। मल्टीकमोडिटी एक्सचेंज पर बुधवार सुबह 24 कैरेट शुद्धता वाले सोने का वायदा भाव 2 रुपए गिरावट के साथ 50,820 रुपए प्रति 10 ग्राम पर रहा। इससे पहले सोने में ट्रेडिंग की शुरुआत 50,779 रुपए के स्‍तर पर हुई थी लेकिन घरेलू बाजार में मांग घटने से इसकी कीमतों में गिरावट देखी गई। चांदी की मांग में बुधवार को कमी आई जिससे इसकी वायदा कीमत भी घटाकर 60 हजार से काफी नीचे चली गई है। एमसीएक्‍स पर चांदी का वायदा भाव 213 रुपए गिरकर 59,326 रुपए प्रति किलोग्राम रहा। इससे पहले चांदी में ट्रेडिंग की शुरुआत 59,280 रुपए के भाव पर हुई थी। चांदी का मौजूदा वायदा भाव अपने पिछले बंद से करीब 0.36 फीसदी नीचे चल रहा है। वैश्विक बाजार में सोने और चांदी की सप्लाई पर लगातार असर दिख रहा है। यही कारण है कि पिछले कुछ समय से यहां सोने की कीमत में उछाल आया है। बुधवार के कारोबार में भी सोने की हाजिर कीमत 1,821.88 डॉलर प्रति औंस पहुंच गई, जो अपने पिछले बंद भाव से 0.19 फीसदी ज्यादा है। इसी तरह, चांदी का हाजिर भाव 20.85 डॉलर प्रति औंस रहा जो अपने पिछले बंद भाव से 0.11 फीसदी उछाल पर है।

सहकारी बैंकों को भी डीबीटी से जोड़ेगी सरकार

- सहकारी बैंकों के ग्राहकों को भी केंद्र सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का मिलेगा लाभ

नई दिल्ली । अब जल्द ही सहकारी बैंकों के ग्राहकों को भी केंद्र सरकार की ओर से चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिलेगा। इसके लिए सहकारी बैंकों को डायरेक्ट बैंक ट्रांसफर (डीबीटी)से जोड़ा जाएगा। केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिये कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। 52 मंत्रालयों की ओर से संचालित 300 योजनाओं के लाभ डीबीटी के जरिये लाभार्थियों तक पहुंचाए जा रहे हैं। शाह ने कहा कि बैंकिंग क्षेत्र में हुए सुधारों से देश के प्रत्येक नागरिक को बैंकिंग सेवाओं का लाभ मिल रहा है। जनधन योजना के चलते 45 करोड़ नए लोगों का खाता खुला है। ऐसे 32 करोड़ लोगों को रूपे डेबिट कार्ड मिल गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सहकार से समृद्धि का संकल्प से इसे पूरा करने में मदद मिली है। देश की समृद्धि और आर्थिक उत्थान में सहकारिता क्षेत्र का अहम योगदान होगा। प्रधानमंत्री जनधन योजना के तहत खोले गए करोड़ों नए खातों का डिजिटल लेन देन एक ट्रिलियन डालर को भी पार कर गया है। वर्ष 2017-18 के डिजिटल लेन-देन के मुकाबले इनमें 50 गुना की बढ़ोतरी हुई है। सहकारी बैंकों के डीबीटी से जुड़ने से नागरिकों के साथ और संपर्क बढ़ेगा और सहकारिता क्षेत्र मजबूत होगा। गुजरात स्टेट को-आपरेटिव एग्रीकल्चर एंड रूरल डेवलपमेंट बैंक (खेती बैंक) के 71वें वर्ष में प्रवेश पर केंद्रीय सहकारिता मंत्री शाह ने बधाई देते हुए बैंक के ऐतिहासिक महत्व का विस्तार से जिक्र किया। साहूकारों के चंगुल से बचाने में इस बैंक ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। अमित शाह ने कहा कि आरबीआइ और नाबार्ड ने बैंकिंग के जितने मानदंड बनाए हैं, उन सभी मानकों पर खेती बैंक ने अच्छा प्रदर्शन किया है। पहले बैंक से 12 से 15 प्रतिशत की ब्याज पर ऋण मिलता था जो अब घटकर 10 प्रतिशत तक आ गया है। इसके साथ नियमित ऋण चुकाने वाले लाभार्थियों को दो प्रतिशत की रियायत भी दी जाती है।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई ।
मुम्बई शेयर बाजार बुधवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही मुनाफावसूली हावी होने के साथ ही विदेशी पूंजी की निकासी जारी रहने और रुपये में गिरावट से बाजार नीचे आया है। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की भारतीय बाजारों से निकासी जारी रहने से भी बाजार में निराश है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 150.48 अंक करीब 0.28 फीसदी नीचे आकर 53,026.97 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का पचास शेयरों वाला निफ्टी भी 51.10 अंक तकरीबन 0.32 फीसदी नीचे आकर 15,799.10 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी के 50 में से 34 शेयर वहीं सेंसेक्स में शामिल 30 में से 20 शेयर टूटे हैं। इंडसइंड बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एक्सिस बैंक, बजाज फिनसर्व, विप्रो, एचसीएल टेक, टाइटन, कोटक महिंद्रा और बजाज फाइनेंस के शेयर सबसे ज्यादा नीचे आये। वहीं एनटीपीसी, रिलायंस इंडस्ट्रीज, सन फार्मा, अल्ट्राटेक सीमेंट और आईटीसी के शेयरों ऊपर आये हैं। बाजार जानकारों के अनुसार कमजोर वैश्विक संकेतों से कारोबारी धारणा पर विपरीत प्रभाव पड़ा है आज के कारोबार में बैंक, आईटी और एफएमसीजी सेक्टर में बिकवाली हावी रही जबकि मिडकैप और स्मॉल कैप नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। कच्चे तेल क्रूज के फिर 118 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंचने से भी बाजार पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। वहीं एशियाई बाजारों की बात करें तो जापान का निक्की, चीन का शंघाई कंपोजिट, द. कोरिया का कॉस्पी और हांगकांग के हैंगसेंग में गिरावट आई है जबकि यूरोप के बाजारों में भी दोपहर के सत्र में गिरावट रही। गत दिवस अमेरिकी बाजार नीचे आये थे।

बजाज कंज्यूमर केयर लाएगी आमंड ड्रॉप्स के तहत नए उत्पाद

नई दिल्ली । दैनिक उपभोग के सामान बनाने वाली घरेलू कंपनी बजाज कंज्यूमर केयर अपने अग्रणी ब्रांड 'बजाज आमंड ड्रॉप्स' के तहत विभिन्न श्रेणियों में नए उत्पादों को बाजार में पेश करने की योजना बना रही है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। कंपनी ने आमंड ड्रॉप्स ब्रांड के तहत एक मॉइस्चराइजिंग साबुन को उतारा और उसकी बालों एवं त्वचा की देखभाल से संबंधित अन्य उत्पादों को भी लाने की तैयारी है। बजाज कंज्यूमर केयर के प्रबंध निदेशक जयदीप नंदी ने कहा कि आमंड ड्रॉप्स बैनर के तहत नए उत्पादों को पेश करने की योजना कंपनी की त्रि-आयामी दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा है। नंदी ने कहा कि आज लगभग छह करोड़ परिवार आमंड ड्रॉप्स का उपयोग करते हैं। यह साबुन इस ब्रांड के तहत हमारी पहली पेशकश है। फिर आने वाली तिमाहियों में हमारे पास कुछ और उत्पाद हैं जिन्हें हम बालों एवं त्वचा की देखभाल श्रेणी में लेकर आएंगे। उन्होंने आमंड ड्रॉप्स ब्रांड के तहत उतारे जाने वाले उत्पादों के बारे में कोई आंकड़ा नहीं देते हुए कहा कि यह उपभोक्ता की प्रतिक्रिया और मांग पर निर्भर करेगा। उन्होंने कहा कि बजाज कंज्यूमर केयर ने पिछले वित्त वर्ष में लगभग 900 करोड़ रुपये की कमाई की जिसमें 90 प्रतिशत हिस्सा आमंड ड्रॉप्स का था।

ब्रेंट क्रूड का भाव 119 डॉलर हुआ

नई दिल्ली । वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में एक बार उछाल आना शुरू हो गया है। ब्रेंट क्रूड का भाव 119 डॉलर के आसपास पहुंच रहा है, जबकि ओपेक अपना उत्पादन बढ़ाने में आनाकानी कर रहे हैं। इस बीच सरकारी तेल कंपनियों ने बुधवार सुबह पेट्रोल-डीजल के खुदरा रेट भी जारी कर दिए। कंपनियों ने बुधवार को भी पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है, जबकि वैश्विक बाजार में ब्रेंट क्रूड का भाव 118.6 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई का भाव 112.5 डॉलर पहुंच गया है। पेट्रोलियम कंपनियों का कहना है कि महंगे कच्चे तेल का दबाव लगातार बढ़ रहा है। दूसरी ओर, तेल उत्पादक देशों के संगठन ओपेक की इस सप्ताह होने वाली बैठक में उत्पादन और बढ़ाने पर चर्चा होगी। हालांकि, कुछ सदस्यों ने अपनी आपूर्ति बढ़ाने में असमर्थता जताई है। इसका मतलब हुआ कि फिलहाल महंगे क्रूड की आवक बनी रहेगी। दिल्ली पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई पेट्रोल 109.27 रुपए और डीजल 95.84 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर और कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर मिल रहा है।

निसान मोटर 3 लाख से ज्यादा एसयूवी रिकॉल कर रही, तकनीकी खराबी के कारण

मुंबई । निसान मोटर कंपनी में अपने ग्राहकों से 3 लाख से ज्यादा एसयूवी रिकॉल कर रही है। इन कारों में अचानक हुड यानी बोनट से जुड़ी बड़ी खराबी सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, एसयूवी में अचानक से बोनट खुल जाता है, जिससे ड्राइवर को सामने कुछ भी दिखाई नहीं देता और दुर्घटना का खतरा बढ़ जाता है। निसान ने यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका में यह रिकॉल जारी किया है। कंपनी के उत्तरी अमेरिकी डिवीजन ने कहा कि 2013 और 2016 के बीच मॉडल के लिए 322,671 पाथफाइंडर वाहन वापस बुलाए हैं। निसान ने कहा है कि इस समस्या से निपटने के लिए कुछ उपाय किए जा रहे हैं। कंपनी बुधवार को इस अंतरिम नोटिफिकेशन जारी करेगी। अमेरिकी रेगुलेटरी बॉडी में एक फाइलिंग में निसान कंपनी ने कहा है कि सेकेंडरी हुड लैच पर गंदगी और धूल जमा होने के चलते हुड बंद होने पर भी खुल सकता है। संभावित रूप से यह बिना किसी चेतावनी के खुल जाता है। अगर कोई वाहन निर्माता कंपनी अपने बेची गई कारों को ग्राहकों से वापस मंगाती है, तब इस रिकॉल कहते हैं। वाहनों में खराबी का पता चलने पर कंपनियां इस तरह का रिकॉल जारी करती हैं। रिकॉल की प्रोसेस के दौरान वहां प्रोडक्ट की खराबी को दुरुस्त करना चाहती है। ताकि भविष्य में प्रोडक्ट को लेकर ग्राहक को किसी तरह की समस्या का सामना नहीं करना पड़े। इन मामलों में ग्राहकों कोई पेमेंट नहीं करना होता है।

हस्तशिल्प निर्यातक गुणवत्ता, डिजाइन, पैकेजिंग का रखें ध्यानः गोयल

नई दिल्ली ।

कपड़ा मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को हस्तशिल्प निर्यातकों से गुणवत्ता, डिजाइन, ब्रांड प्रोत्साहन एवं पैकेजिंग पर ध्यान देने का आह्वान करते हुए कहा कि निर्यात बढ़ाने के लिए यह जरूरी है। गोयल ने एक पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में निर्यातकों से कहा कि हमें गुणवत्ता, डिजाइन, ब्रांड प्रोत्साहन और पैकेजिंग पर ध्यान देने की जरूरत है। इस क्षेत्र में असीमित संभावनाएं हैं। वित्त वर्ष 2021-22 में भारत का हस्तशिल्प निर्यात करीब 30 प्रतिशत बढ़कर 33,000 करोड़ रुपये हो गया। इस मौके पर गोयल ने हस्तशिल्प कारीगरों की आय बढ़ाने के तरीके निकालने का भी अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि मंत्रालय के पास करीब 30-35 लाख कारीगरों का आंकड़ा मौजूद है। उन्होंने कहा कि हमें ऐसे तरीके निकालने की जरूरत है जिनसे हम उनकी जिंदगी बदल सकें। हालांकि, उन्होंने कहा कि नए विचार को सरकारी सब्सिडी से नहीं जोड़ा जाना चाहिए क्योंकि इससे इस क्षेत्र की मदद नहीं होगी।

7.36 लाख रुपये कीमत में भारतीय बाजार में उतारी नई 2022 वर्सेस 650

मुंबई ।
कावासाकी ने लंबे इंतजार के बाद भारतीय बाजार में नई 2022 वर्सेस 650 को लांच किया है। बाइक की एक्स-शोरूम कीमत 7.36 लाख रुपये रखी गई है, जो पुराने मॉडल की तुलना में 21,000 ज्यादा है। हालांकि, कंपनी की ओर से कई बार सोशल मीडिया पर इसका टीजर जारी किया जा चुका था। नया मॉडल मौजूदा बाइक की जगह लेगा। नई 2022 वर्सेस 650 में कई बड़े अपडेट किए गए हैं। नई 2022 कावासाकी वर्सेस 650 को कई नए फीचर्स से लैस किया है, जो इस बाइक को और ज्यादा मॉडर्न बनाते हैं। अब इसमें एक शार्प स्प्लिट एलईडी हेडलाइट डिजाइन के साथ-साथ एक ट्वीक एडजस्टेबल विजर मिलता है, जो बाइक के ओवरऑल अपडेट लुक के साथ बेहतर बनाता है। फीचर्स के मामले में बाइक को एक नया टीएफटी इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर मिला है, जो पिछले सेमी-डिजिटल कंसोल की जगह लेता है। अपडेट किए गए सेटअप में ब्लूटूथ के जरिए स्मार्टफोन कनेक्टिविटी मिलती है। एक यूएसबी चार्जिंग पोर्ट भी है जो यूजर्स को अपने स्मार्टफोन डिवाइस को चलते-फिरते चार्ज करने की सुविधा देता है। सेफ्टी के लिहाज से बाइक अब दो-स्तरीय ट्रैक्शन कंट्रोल सिस्टम से लैस है।

इसमें पहले की तरह ही 649सीसी, लिक्विड-कूल्ड, ट्विन-सिलेंडर इंजन दिया गया है, जो 66 बीएचपी और 61एनएम का आउटपुट देती है। इंजन पहले की तरह 6-स्पीड गियरबॉक्स के साथ आता रहता है। सस्पेंशन, ब्रेक और टायरों सहित हार्डवेयर डिवाइस को बरकरार रखा गया है। बाइक में 17-इंच के एलॉय व्हील्स दिए हैं। इसमें आगे की तरफ एक अपसाइड-डाउन फोर्क और पीछे एक मोनोशॉक का इस्तेमाल किया गया है। ब्रेकिंग के लिए बाइक के दोनों टायरों में डिस्क ब्रेक दिए गए हैं। अन्य स्पेसिफिकेशन में डुअल-पॉड हेडलैंप सेटअप, सेमी-डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, 21-लीटर फ्यूल टैंक और एक एडजस्टेबल विंडस्क्रीन शामिल हैं।

बढ़ती मांग पूरा करने एयर इंडिया अपने बेड़े में चार बोइंग-737 विमान जोड़ेगी

मुंबई ।
टाटा समूह की एयरलाइन एयर इंडिया एक्सप्रेस इस साल के आखिर तक अंतरराष्ट्रीय यात्रा की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए अपने 24 विमानों के बेड़े में चार बोइंग-737 विमान शामिल कर सकती है। एयरलाइन सूत्रों से यह जानकारी मिली है। सूत्रों ने कहा कि महामारी से संबंधित सभी प्रतिबंधों के हटने के बाद विमानन क्षेत्र की मांग में तेजी आई है। इसके लिए कम समय में ही क्षमता बढ़ाने के लिए 'ड्राई लीजिंग' ही एक विकल्प है। ड्राई लीजिंग में कोई कंपनी सिर्फ विमान ही पट्टे पर लेती है। एयर इंडिया एक्सप्रेस के बेड़े में फिलहाल 24 बोइंग 737 विमान हैं। एक सूत्र ने बताया कि महामारी से संबंधित अधिकांश प्रतिबंधों के हटने के बाद अंतरराष्ट्रीय यात्रा की मांग तेज हुई है। यात्रियों की संख्या में उछाल देखा जा रहा है। एयरलाइन क्षमता बढ़ाने के इरादे से ड्राई लीज पर चार विमान ले सकती है। नए विमानों का इस्तेमाल कुछ मार्गों पर फेरे बढ़ाने के लिए किया जाएगा। वर्तमान में एयर इंडिया एक्सप्रेस 100 से अधिक दैनिक उड़ानों के साथ भारत में 11 और विदेशों में 13 हवाई अड्डों पर परिचालन करती है।सूत्र ने कहा कि चार और विमानों के शामिल होने से बेड़े का विस्तार 28 विमानों तक हो जाएगा।

क्रिप्टोकरेंसी के आदान-प्रदान में खरीदार को करना होगी टीडीएस में कटौती: सीबीडीटी

नई दिल्ली ।
आयकर विभाग ने कहा कि डिजिटल परिसंपत्ति (वीडीए) या क्रिप्टोकरेंसी के आदान-प्रदान में खरीदार एवं विक्रेता दोनों को ही अपने स्तर टीडीएस (स्रोत पर कर कटौती) काटना होगा। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने क्रिप्टोकरेंसी के लेनदेन पर स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा कि आयकर अधिनियम की धारा 194एस के मुताबिक खरीदार को वीडीए के लेनदेन में कर कटौती करनी होगी।आयकर विभाग की नियंत्रक संस्था सीबीडीटी ने कहा ` कि इस तरह, एक्सचेंज से इतर किए जाने वाले डिजिटल परिसंपत्ति लेनदेन में खरीदार को आयकर अधिनियम की धारा 194एस के तहत कर कटौती करने की जरूरत है। बीडीटी ने कहा कि ऐसी देनदारी के लिए जिम्मेदार व्यक्ति को यह सुनिश्चित करना होगा कि कटौती किए गए कर का भुगतान किया जा चुका हो। सीबीडीटी ने इसे एक उदाहरण के जरिये समझाने की कोशिश करते हुए कहा कि अगर 'ए' वीडीए को 'बी' वीडीए के बदले दिया जा रहा हो तो इस स्थिति में दोनों ही पक्ष खरीदार होने के साथ विक्रेता भी हैं। इस संदर्भ में दोनों ही पक्षों को वीडीए अंतरण के संदर्भ में कर देना होगा। दूसरे पक्ष को इसका साक्ष्य देना होगा ताकि दोनों वीडीए की अदला-बदली हो सके।

फिर दोनों ही पक्षों को टीडीएस विवरण में चालान नंबर के साथ इसका उल्लेख करना होगा। सीबीडीटी ने पिछले हफ्ते कहा था कि एक्सचेंजों के जरिये होने वाले वीडीए लेनदेन में एक प्रतिशत टीडीएस काटने की जिम्मेदारी मुख्य रूप से एक्सचेंजों पर होगी।वित्त वर्ष 2022-23 के बजट में क्रिप्टोकरेंसी या वीडीए पर टीडीएस लगाने की घोषणा की गई थी। यह प्रावधान एक जुलाई से प्रभावी होने वाला है।

बिग बाय डिलीवरी प्रोग्राम से वोक्सवैगन वर्टस की 2,000 से अधिक इकाइयों की डिलीवरी हुई

मुंबई ।
वोक्सवैगन पैसेंजर कार्स इंडिया देश भर में मेगा डिलीवरी प्रोग्राम बिग बाय डिलीवरी शुरू की है। कंपनी ने घोषणा की है कि वोक्सवैगन वर्टस को लांच करने के बाद इस कार को काफी अच्छा प्रतिसाद मिला है। इस कार्यक्रम के माध्यम से पूरे भारत में 2,000 से अधिक इकाइयों की डिलीवरी हुई है। वर्टस को इस साल की शुरुआत में भारत में 11.21 लाख (एक्स-शोरूम) की शुरुआती कीमत पर लांच किया गया था। हाल ही में कंपनी ने केरल में एक दिन में 150 ग्राहकों को वर्टस सेडान की डिलीवरी की थी। इस रिकॉर्ड को 'इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' में भी जगह मिली थी। यह कार देश में 152 बिक्री टच प्वाइंट टेस्ट ड्राइव और खरीद के लिए उपलब्ध है। यह बहुचर्चित एमक्यूबी एओइन प्लेटफॉर्म पर बेस्ट हैं, इसका निर्माण पुणे के चाकन में किया जा रहा है।

कार दो इंजन और तीन ट्रांसमिशन ऑप्शन में खरीदने के लिए उपलब्ध है, जबकि ट्रिम्स विकल्प में डायनामिक और परफॉर्मेंस लाइन वेरिएंट शामिल हैं। परफॉर्मेंस लाइन 1.5 लीटर टीएसआई ईवीओ इंजन के साथ एक्टिव सिलेंडर टेक्नोलॉजी (एसीटी) के साथ उपलब्ध है। यह पावरट्रेन 110 किलोवाट 250 एनएम डिलीवर करता है, 7-स्पीड डीएसजी ट्रांसमिशन के साथ उपलब्ध है। डायनामिक लाइन 1.0द्य टीएसआई इंजन 85किलोवाट (115पीएस)/178 एनएम डिलीवर करता है और 6-स्पीड मैनुअल और 6-स्पीड ऑटोमैटिक टॉर्क कन्वर्टर ट्रांसमिशन के साथ आता है। नई वर्टस 6 कलर ऑप्शन में उपलब्ध है, इसमें वाइल्ड चेरी रेड, कार्बन स्टील ग्रे, रिफ्लेक्स सिल्वर, करकुमा येलो, कैंडी व्हाइट और राइजिंग ब्लू का ऑप्शन शामिल है। कंपनी का कहना है कि इसकी नई लांच की गई वर्टस सेडान की भारी मांग है।

आईएमएफ ने पाकिस्तान का आर्थिक पैकेज बहाल करने सख्त शर्तें लगाईं

इस्लामाबाद ।
अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने पाकिस्तान का आर्थिक पैकेज बहाल करने के लिए बिजली दरें बढ़ाने और पेट्रोलियम उत्पादों पर कर लगाने जैसी सख्त शर्तें लगाई हैं। इससे पहले नकदी के संकट से जूझ रहे पाकिस्तान ने आईएमएफ के साथ एक समझौता किया था जिससे उसका रुका हुआ 6 अरब डॉलर का सहायता पैकेज बहाल हो जाए। मीडिया में आई खबरों में सूत्रों के हवाले से कहा गया कि आईएमएफ ने पाकितान से कहा है कि वह एक भ्रष्टाचार निरोधी कार्यबल का गठन करे जो सरकारी विभागों में भ्रष्टाचार को रोकने के लिए बनाए गए वर्तमान कानूनों की समीक्षा करे। एक अखबार की खबर में कहा गया कि इन शर्तों के पालन के बाद आईएमएफ कर्ज को मंजूरी देने और कार्यक्रम को बहाल करने के पाकिस्तान के अनुरोध को कार्यकारी निदेशक मंडल के समक्ष पेश करेगा। इस प्रक्रिया में एक और महीने का वक्त लग जाएगा। आईएमएफ ने जो नई शर्तें लगाई हैं उनमें बिजली दरें बढ़ाना शामिल है। मंत्रिमंडल से कहा गया है कि वे 50 रुपए प्रति लीटर का पेट्रोलियम कर धीरे-धीरे करके लगाएं ताकि 855 अरब डॉलर की राशि एकत्रित की जा सके। इससे पहले, 22 जून को पाकिस्तान ने अपने रुके हुए 6 अरब डॉलर के सहायता पैकेज को बहाल करने के लिए और अन्य अंतरराष्ट्रीय स्रोतों से वित्तपोषण का रास्ता खोलने के लिए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के साथ एक समझौता किया था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दीपक हुड्डा ने शतक जड़ा, भारत ने रोमांचक मुकाबले में आयरलैंड को 4 रनों से हराया, सीरीज 2-0 से जीती

मालाहाइड (आयरलैंड)। (एजेंसी)।

दीपक हुड्डा के शानदार शतक से भारत ने अप्रत्याशित हार से बाल बाल बचते हुए आयरलैंड को रोमांचक दूसरे और आखिरी टी20 मैच में मंगलवार को चार रन से हराकर दो मैचों की श्रृंखला 2 . 0 से जीत ली। भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए हुड्डा के शतक और संजू सैमसन के अर्धशतक की मदद से सात विकेट पर 225 रन बनाये। जवाब में आयरलैंड की टीम आखिरी ओवर तक मैच में बनी रही लेकिन चार रन से चूक गई। आयरलैंड के लिये कप्तान एंडी बालबर्नी ने 37 गेंद में 60, पॉल स्टर्लिंग ने 18 गेंद में 40, हैरी टेक्टर ने 28 गेंद में 39 और जॉर्ज डॉकरेल ने 16 गेंद में नाबाद 34 रन बनाये। भारतीय कप्तान हार्दिक पंड्या ने आखिरी ओवर तेज गेंदबाज उमरान मलिक को सौंपा जब आयरलैंड को 17 रन की जरूरत थी और मलिक कप्तान के भरोसे पर खरे उतरे। इससे पहले हुड्डा टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शतक जड़ने वाले चौथे भारतीय बन गए। उन्होंने 57 गेंद में 104 रन बनाये जिसमें नौ चौके और छह छक्के शामिल थे। संजू सैमसन ने उनका बखूबी साथ निभाते हुए 42 गेंद में नौ चौकों और चार छक्कों के साथ 77 रन की पारी खेली। सैमसन को रूतुराज गायकवाड़ के चोटिल होने के कारण इस मैच में मौका मिला जिसे उन्होंने बखूबी भुनाया।

हुड्डा और सैमसन दोनों ने अपनी पारियों में दर्शनीय स्ट्रोक्स लगाये। भारत की शुरूआत हालांकि अच्छी नहीं रही और ईशान किशन तीन रन बनाकर पवेलियन लौट गए। तीसरे ओवर में मार्क एडेयर की गेंद पर विकेट के पीछे लोरकान टकर को कैच थमाकर उन्होंने अपना विकेट गंवाया। इसके बाद हुड्डा और सैमसन ने 85 गेंद में 176 रन की साझेदारी करके भारत के विशाल स्कोर की नींव रखी। आयरलैंड के अनुभवहीन गेंदबाजों पर दोनों ने दबाव बनाते हुए मनचाहे शॉट्स खेले। सैमसन को नौवें ओवर में जीवनदान मिला जब लेग स्पिनर जेरेथ डेलानी ने उनका कठिन रिटर्न कैच टपकाया। इससे पहले आठवें ओवर में पॉल स्टर्लिंग ने हुड्डा का कैच छोड़ा था। सैमसन 17वें ओवर में एडेयर की गेंद पर आउट हुए।

मलेशिया ओपन : दूसरे राउंड में पहुंची सिंधु, सायना बाहर

कुआलालंपुर (एजेंसी)।

पूर्व विश्व चैम्पियन पीवी सिंधु ने बुधवार को मलेशिया ओपन की महिला एकल स्पर्धा के दूसरे दौर में जगह बनायी, जबकि सायना नेहवाल पहले दौर में ही बाहर हो गईं। सिंधु ने एक्सियाटा एरिना में हुए पहले राउंड के मुकाबले में थाइलैंड की पोर्नपावी चोचुवोंग को 21-13, 21-17 से मात दी। दूसरी ओर, मई में आयोजित थाइलैंड ओपन के बाद पहली बार किसी प्रतियोगिता में हिस्सा ले रही सायना को अमेरिका की आइरिस वांग के हाथों 11-21, 17-21 से हार का सामना करना पड़ा। सिंधु ने मैच की शुरुआत में ही आक्रामक रवैया अपनाते हुए ब्रेक तक चार पॉइंट की बढ़त हासिल कर ली। ब्रेक के बाद 16-13 की बढ़त हासिल करने वाली सिंधु ने लगातार पांच पॉइंट जीतकर मैच में 1-0 की बढ़त बना ली। पोर्नपावी ने दूसरे गेम में सिंधु को कड़ी टक्कर दी। एक समय पर गेम 17-17 की बराबरी पर पहुंच गया, लेकिन सिंधु ने एक बार फिर वापसी करते हुए लगातार लगातार चार पॉइंट जीते और मैच भी अपने नाम किया। सिंधु और पोर्नपावी नौ बार आमने-सामने आए हैं जिसमें सिंधु ने छह बार जीत दर्ज की है जबकि पोर्नपावी तीन बार विजयी रही हैं। पुरुष एकल प्रतियोगिता में राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता परुपल्ली कश्यप ने कोरिया के हियो क्वांग ही को 21-12, 21-17 से हराया। वह एचएस प्रणय के बाद मलेशिया ओपन के दूसरे राउंड में पहुंचने वाले दूसरे भारतीय खिलाड़ी बने। इससे पहले अश्विनी पोनप्पा और बी सुमीत रेड्डी की मिश्रित युगल जोड़ी नीदरलैंड की रॉबिन ताबेलिंग और सेलेना पीक की जोड़ी से 21-15, 19-21, 21-17 से हारकर पहले ही राउंड में बाहर हो गई थी।

आजम तीनो प्रारुपों में शीर्ष-5 बल्लेबाजों में शामिल

टी20 में शीर्ष दस में भारत के केवल ईशान शामिल

दुबई (एजेंसी)।

आईसीसी की ताजा रैंकिंग में पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान बाबर आजम तीनों ही प्रारुपों टेस्ट, एकदिवसीय और टी20 में विश्व के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज के रुप में सामने आये हैं। बाबर एकदिवसीय, टी20 और टेस्ट तीनों ही प्रारुपों में शीर्ष-5 बल्लेबाजों में शामिल हैं। एकदिवसीय और टी20 में तो वह विश्व के शीर्ष बल्लेबाज हैं जबकि , टेस्ट में बाबर को चौथा स्थान मिला है।

इस पाक बल्लेबाज ने सबसे लंबे समय तक टी20 के नंबर-1 बल्लेबाज बने रहने की उपलब्धि हासिल की है। इससे पहले भारतीय टीम के पूर्व कप्तान विराट के नाम यह रिकार्ड था। विराट पिछले दशक में 1013 दिन तक टी20 के नंबर-1 बल्लेबाज थे जबकि बाबर अब उनसे आगे निकल गये हैं। वह 818 रेटिंग अंकों के साथ बल्लेबाजों की टी20 रैंकिंग में पहले नंबर पर हैं। दूसरे स्थान पर पाक के ही विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान हैं। उनके 794 रेटिंग अंक हैं।

विराट अभी सातवें स्थान पर हैं। उन्हें 2 स्थान का नुकसान हुआ है। विराट 21वें और रोहित शर्मा 19वें स्थान पर हैं।

आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में शानदार शतक के बाद भारतीय टीम के बल्लेबाज दीपक हुडा ने 414 स्थान की लंबीछलांग लगाई है और अब वह 104वें पायदान पर आ गए हैं। टी20 के शीर्ष-10 गेंदबाजों में भी एक भी भारतीय खिलाड़ी को जगह नहीं मिली है। भुवनेश्वर कुमार टी20 में 14वें स्थान के साथ ही भारत के शीर्ष गेंदबाज हैं। टी-20 रैंकिंग में शीर्ष दस में भारत के केवल एक खिलाड़ी ईशान किशन को अवसर मिला है।

भारत बनाम इंगलैंड : रोहित शर्मा 5वें टेस्ट से बाहर, जसप्रीत बुमराह को दी जाएगी कमान

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

रोहित शर्मा कोरोना से उभर नहीं पाए है इसलिए इंगलैंड के खिलाफ पांचवें टेस्ट मैच को लीड करने के लिए जसप्रीत बुमराह तैयार हैं। बीसीसीआई सूत्र का कहना है कि एडजबैस्टन में टीम खिलाड़ियों के साथ मैनेजमैंटने एक मीटिंग की थी जिसमें उन्हें बता दिया गया है कि रोहित इस मैच के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। उनकी जगह बुमराह को जिम्मेदारी देने का फैसला लिया गया है।

बीसीसीआई अधिकारी ने कहा कि जसप्रीत को स्थिति से अवगत करा दिया गया है और वह नेतृत्व करने के लिए तैयार हैं। ऋषभ अभी बहुत छोटा है और उसे टेस्ट में नेतृत्व करने के लिए तैयार होने की जरूरत है। इसलिए अभी के लिए बुमराह हमारा सर्वश्रेष्ठ दांव है। वह भारत का नेतृत्व करेंगे।

रोहित अभी भी होटल में आइसोलेट

रोहित शर्मा अभी भी होटल में आइसोलेट हैं। यह फैसला तब लिया गया जब बीसीसीआई सिलेक्शन कमेटी के चेयरमैन ने बर्मिंघम में पहुंचकर स्थिति जांची। भारतीय कोच राहुल द्रविड़ के साथ मुलाकात के बाद फैसला हुआ कि इस अहम मैच में जसप्रीत बुमराह को लीड करने का मौका दिया जाएगा। बताया जा रहा है कि बुधवार रात तक रोहित शमा के दो और टेस्ट होंगे। अगर वह निगेटिव आए तो टीम प्रबंधन उनके लगी चोट और फिटनेस की जांच करेगा।

ओपनिंग को लेकर अभी भी सवाल

भारत के उपकप्तान केएल राहुल चोटिल है। रोहित शर्मा के कवर के तौर पर मयंक अग्रवाल पहले ही बर्मिंघम पहुंच गए हैं। अब ओपनिंग क्रम को लेकर पेच है। शुभमन के साथ विकेटकीपर बल्लेबाज केएस भरत या चेतेश्वर पुजारा को देखा जा सकता है। या मयंक ऊपरी क्रम पर दिख सकते हैं।

इसमें से चुनी जाएगी टीम इंडिया

रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, हनुमा विहारी, चेतेश्वर पुजारा, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), केएस भरत (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, रविचंद्रन अश्विन, शार्दुल ठाकुर, मोहम्मद शमी, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, उमेश यादव, प्रसिद्ध कृष्णा।

नस्ली टिप्पणी करना पड़ा भारी, रेड बुल ने रिजर्व ड्राइवर विप्स का अनुबंध रद्द किया

मिल्टन केन्स (इंग्लैंड)। फार्मूला वन टीम रेड बुल ने आनलाइन गेमिंग स्ट्रीम के दौरान नस्ली टिप्पणी करने के लिए फार्मूला वन टेस्ट और रिजर्व ड्राइवर जूरी विप्स का अनुबंध रद्द कर दिया है। एस्टोनिया के 21 साल के विप्स को रेड बुल ने पिछले हफ्ते उनके द्वारा इस्तेमाल भाषा की जांच लंबित रहने तक निलंबित किया था। विप्स ने इसके लिए काफी मांगी थी। रेड बुल ने ट्वीट किया, 'जूरी विप्स से जुड़ी आनलाइन घटना की जांच के बाद ओरेकल रेड बुल रेसिंग ने अपने टेस्ट और रिजर्व ड्राइवर के रूप में जूरी का अनुबंध रद्द कर दिया है।' ट्वीट के अनुसार, 'टीम नस्लवाद के किसी भी प्रारूप को माफ नहीं करती।'

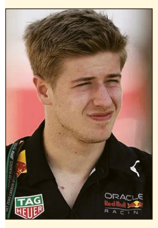

टी10 लीग में खेलने के लिए उत्साहित हैं गेल

जमैका । वेस्टइंडीज के आक्रामक बल्लेबाज क्रिस गेल इस साल कैरेबियन प्रीमियर लीग की जगह पर नयी टी10 क्रिकेट लीग में खेलेंगे। वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड इसी साल अगस्त में सिक्सटी नाम की एक टी 10 लीग शुरू करने जा रहा है। इसका आयोजन 24 से 28 अगस्त तक होगा। गेल इस नई लीग के ब्रांड एम्बेसडर भी बने हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार गेल ने कहा है कि वह इस साल 60 गेंदों के क्रिकेट के इस सबसे छोटे प्रारुप में खेलेंगे। इसी कारण से वह सीपीएल शुरू होने से भी अलग हो गए हैं। गेल कहा, 'मैं 60 गेंदों के इस नए प्रारुप में खेलने के लिए उत्साहित हूं और देखना चाहता हूं कि यह कैसे खेला जाएगा। खास तौर से मैं तीसरे पावरप्ले ओवर के साथ ही पहली 12 गेंदों में दो छक्के मारने को बेसब्र हूं।'

गेल ने सीपीएल में अब तक 36.50 की औसत से 2519 रन बनाए हैं। केवल लिंडल सिमंस ने ही सीपीएल में गेल से अधिक रन बनाए हैं। सिमंस ने इस लीग लीग में 2529 रन बनाए हैं। गेल के अलावा इस लीग में वेस्टइंडीज के कई अन्य खिलाड़ी भी खेलते हुए नजर आएंगे। न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी एकदिवसीय सीरीज के बाद वेस्टइंडीज के खिलाड़ी इस नई लीग में खेलने के लिए उपलब्ध रहेंगे।

श्रीलंका बनाम ऑस्ट्रेलिया : डिकवेला के अर्धशतक से 212 तक पहुंचा श्रीलंका

गाले (एजेंसी)।

ऑस्ट्रेलिया ने नाथन लियोन (25 ओवर, 90 रन, पांच विकेट) और मिचेल स्वेपसन (13 ओवर, 55 रन, तीन विकेट) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत बुधवार को पहले टेस्ट के पहले दिन श्रीलंका को 212 रन पर ऑल-आउट कर दिया। श्रीलंका के लिए निरोशन डिकवेला ने सर्वाधिक 58 रन बनाए।

डिकवेला ने 59 गेंदों की पारी में छह चौके लगाए। इसके अलावा एंजेल मैथ्यूज ने 39, डिमुथ करुणारत्ने ने 28 और पथुम निसंका ने 23 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया के लिए लियोन ने पांच और स्वेपसन ने तीन विकेट लिए। दोनों गेंदबाजों ने दूसरे सत्र के बाद गाले के रूखे विकेट का पूरा फायदा उठाया और कुल आठ विकेट झटके।

लियोन ने श्रीलंका के अनुभवी खिलाड़ी मैथ्यूज और करुणारत्ने का विकेट लिया, जबकि स्वेपसन ने दो लगातार गेंदों में धनन्जय डि सिल्वा और दिनेश चांदीमल को चलता किया। इसके अलावा कप्तान पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क ने एक-एक विकेट लेते हुए श्रीलंका की पारी को 212 रन पर समेट दिया।

सेरेना विलियम्स ने गंवाया साल का पहला मैच, विंबलडन से बाहर हुई

विंबलडन। दुनिया की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी सेरेना विलियम्स ने 364 दिन बाद महिला एकल मुकाबले में वापसी की लेकिन विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के पहले दौर में ही हार के साथ प्रतियोगिता से बाहर हो गईं। सेरेना के खेल में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिला। कभी तो ऐसा लगा कि वह बिलकुल भी लय में नहीं है जबकि कई मौकों पर उन्होंने ऐसा खेल दिखाया जैसे वह अपने 23वें ग्रैंडस्लैम खिताब के अभियान में आगे बढ़ेंगी। सेरेना ने अपना पिछला एकल मुकाबला विंबलडन में ही पिछले साल 29 जून को खेला था लेकिन पहले सेट में ही चोटिल होने के कारण उन्हें बाहर होना पड़ा था। विंबलडन में सात बार की पूर्व चैंपियन 40 साल की सेरेना जीत दर्ज करने से दो अंक की दूरी तक पहुंची। उन्हें अंततः विंबलडन में पदार्पण कर रही दुनिया की 115वें नंबर की खिलाड़ी फ्रांस की हारमोनी टेन के खिलाफ पहले दौर के मुकाबले में 7-5, 1-6, 7-6 (10-7) से हार झेलनी पड़ी। दूसरे दौर में टेन की भिड़ंत गुरुवार को 32वीं वरीय स्पेन के सारा सोरिबेस टोर्मो से होगी जिन्होंने पहले दौर में अमेरिकी क्वालीफायर क्रिस्टीना मैकहेल को 6-2, 6-1 से हराया।

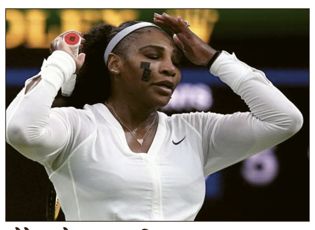

स्टॉकहोम डायमंड लीग में नीरज चोपड़ा पदक के दावेदार

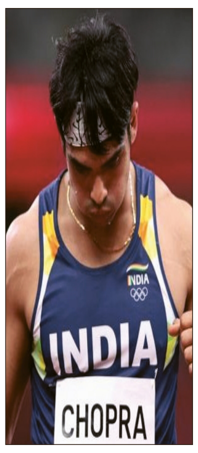

नई दिल्ली (एजेंसी)।

सत्र की दमदार शुरूआत करने के बाद ओलिम्पिक चैम्पियन भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा डायमंड लीग में पहली बार पदक जीतने की पूरी कोशिश करेंगे। चोपड़ा ने तुर्कु में पावो नुरमी खेलों में 89.30 का थ्रो फेंककर रजत पदक जीता और कुओर्तानें खेलों में 86.60 मीटर के साथ शीर्ष रहे। फिनलैंड में हुए इन दोनों टूर्नामेंटों में मुकाबला कड़ा था। कुओर्तानें में तो बारिश के कारण फिसलन की वजह से तीसरे प्रयास में चोपड़ा गिर भी गए थे लेकिन तुरंत खड़े होकर चोटिल हुए बिना खिताब जीता। ज्यूरिख में अगस्त 2018 में 85.73 मीटर थ्रो करके चौथे स्थान पर रहने के बाद चोपड़ा पहली बार डायमंड लीग में खेलेंगे। वह 7 डायमंड लीग खेल चुके हैं जिनमें तीन 2017 में और चार 2018 में खेली थी लेकिन इसमें पदक नहीं जीत पाए। 2 बार चौथे स्थान पर रहे हैं। अमरीका में अगले महीने होने वाली विश्व चैम्पियनशिप से पहले चोपड़ा के लिये यह सबसे बड़ा टूर्नामेंट है। इसमें टोक्यो ओलिम्पिक के तीनों पदक विजेता मैदान में होंगे। मौजूदा दौर के भालाफेंक खिलाड़ियों में सबसे ज्यादा बार 90 मीटर की बाधा पार करने वाले जर्मनी के जोहानेस वेटर चोट के कारण बाहर हैं। कुओर्तानें में स्वर्ण जीतने के बाद चोपड़ा यहां से 100 किलोमीटर से भी कम दूरी पर स्थित उपसाला में अभ्यास कर रहे हैं। वह डायमंड लीग के बाद और 15 जुलाई से होने वाली विश्व चैम्पियनशिप से पहले कोई और टूर्नामेंट नहीं खेलेंगे। भारत के मुरली श्रीशंकर को भी इसमें लंबी कूद में भाग लेना था जो डायमंड लीग कार्यक्रम का हिस्सा नहीं है लेकिन अतिरिक्त प्रतियोगिता के रूप में शामिल है। वह हालांकि पहुंच नहीं पाएंगे क्योंकि विश्व चैम्पियनशिप के लिये वीजा औपचारिकताएं पूरी करने के लिए उनका पासपोर्ट दिल्ली में अमेरिकी दूतावास में है।

स्वियाटेक ने विम्बलडन में सबसे ज्यादा मुकाबले जीतने का नया विश्व रिकार्ड बनाया

लंदन । विश्व की नंबर एक महिला टेनिस खिलाड़ी पोलैंड की इगा स्वियाटेक ने विम्बल्डन टेनिस के पहले ही दौर में क्रोएशिया की जान फेट को हराकर लगातार सबसे ज्यादा मुकाबले जीतने का एक नया विश्व रिकार्ड बनाया है। स्वियाटेक ने फेट को सीधे सेटों में 6-0, 6-3 से हराने के साथ ही लगातार 36वीं जीत दर्ज की है। इसी के साथ ही वह साल 2000 के बाद से ही सबसे ज्यादा लगातार मुकाबले जीतने वाली खिलाड़ी बनी हैं। इससे पहले सबसे ज्यादा मुकाबले जीतने का विश्व रिकॉर्ड अमेरिका की सेरेना विलियम्स के नाम था। सेरेना ने लगातार 35 मैच जीते थे। वहीं पहले दौर के एक अन्य मुकाबले में अमरीका की कोको गौफ ने भीरोमानिया की एलीना-गैब्रिएला (रूस) को 26, 6-3, 7-5 से हराया था।

स्वियाटेक ने पहले ही सेट में फेट को 6-0 से हराया। वहीं इसके बाद फेट ने दूसरे सेट में अच्छा खेल दिखाते हुए 3-1 की बढ़त बनायी पर स्वियाटेक ने लगातार 5 गेम जीतकर मैच जीत लिया। अब दूसरे दौर में स्वियाटेक का मुकाबला नीदरलैंड की लेस्ली केरखोव से होगा। स्वियाटेक ने इससे पहले इसी साल फरवरी में दुबई में दूसरे दौर के मैच में लातवियाई खिलाड़ी जेलेना ओस्टापेंको को 6-4, 1-6, 6-7 (4) से हराया था। उन्होंने फ्रैच ओपन के अलावा दोहा मास्टर्स, इंडियन वेल्स मास्टर्स, मियामी मास्टर्स, स्टटगार्टओपन, इटालियन ओपन के खिताब भी जीते थे।

विश्व कप 2018 से बाहर रहने की भरपाई करना चाहती हैं सुशीला चानू

एसटेलवीन (नीदरलैंड) (एजेंसी)।

चोट के कारण 2018 एफआईएच हॉकी विश्व कप से बाहर रहीं भारत की अनुभवी मिडफील्डर सुशीला चानू टूर्नामेंट के आगामी सत्र में अच्छा प्रदर्शन करके इसकी भरपाई करना चाहती हैं। सुशीला ने भले ही भारत के लिए 208 मैच खेले हों लेकिन नीदरलैंड में होने वाला टूर्नामेंट उनका पहला विश्व कप होगा। भावुक सुशीला ने कहा कि 2018 में चोट के कारण मैं लंदन में विश्व कप में नहीं खेल पाई थी। इसके बाद मुझे फॉर्म को लेकर जूझना पड़ा और मैं उस साल एशियाई खेलों में भी नहीं खेल पाई। यह संभवतः मेरे करियर का सबसे मुश्किल दौर था।

सुशीला ने कहा कि यह मुश्किल चरण था लेकिन मैं उससे बाहर निकलने के लिए प्रतिबद्ध थी और मैंने टीम में दोबारा जगह बनाई। विश्व कप एक जुलाई से शुरू होगा लेकिन भारत अपने अभियान की शुरुआत तीन जुलाई को इंग्लैंड के खिलाफ करेगा। एशियाई खेल 2018 से बाहर रहने के बाद 30 साल की सुशीला ने मजबूत वापसी की और पिछले चार साल में टीम की प्रगति में अहम भूमिका निभाई।

मंगलवार शाम चिली के खिलाफ टीम के अभ्यास मैच के इतर सुशीला ने कहा कि टीम की मेरी कई साथी दूसरी बार विश्व कप में खेल रही हैं लेकिन मेरा यह पहला विश्व कप है। यह मेरे लिए भावुका लम्हा है और मुझे निश्चित तौर पर यकीन है कि यह हमारे लिए यादगार होगा।

सुशीला एफआईएच ओलंपिक क्वालीफायर और भुवनेश्वर में एफआईएच सीरीज फाइनल्स में जीत दर्ज करने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहीं। एशियाई खेल 2014 की कांस्य पदक विजेता टीम में शामिल सुशीला ने पिछले साल तोक्यो ओलंपिक में भारत को एतिहासिक चौथा स्थान दिलाने में भी भूमिका निभाई। बड़ी प्रतियोगिता से पहले ड्रेसिंग रूम के मूड पर

सुशीला ने कहा कि पिछले हफ्ते रोटरडम में हमारे प्रो लीग मुकाबलों के तुरंत बाद हम एम्सटेलवीन पहुंचे। हमें टीम होटल में सहज होने का पर्याप्त समय मिला और हम विश्व कप आयोजन स्थल पर भी ट्रेनिंग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि निश्चित तौर पर सभी अपना शत प्रतिशत देने को लेकर उत्साहित हैं। हम सभी की नजरें हमारे पहले मैच पर टिकी हैं और हमें इंग्लैंड के खिलाफ अच्छी शुरुआत की जरूरत है।

नदी पर बनाया जाता है बर्फ का होटल, दूर-दूर से ठहरने आते हैं पर्यटक!

दुनियाभर में कई तरह के घुमक्कड़ होते हैं जो तरह-तरह की जगह जाना पसंद करते हैं। इनमें से कुछ ऐसे भी होते हैं जिन्हें अजीबो-गरीब होटल देखना या वहां ठहरना भी पसंद होता है। अगर आप भी कुछ ऐसा ही शौक रखते हैं तो आज हम आपको एक ऐसे ही अजीबो-गरीब होटल के बारे में बताने जा रहे हैं जो पूरी दुनिया में अपनी खासियत के लिए मशहूर है।

कुछ अलग दिखने की सूची में स्वीडन में मौजूद आइस होटल शमिल है। ये अपने हटके प्रस्तुति के कारण पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है। काफी पुराना होने के बावजूद भी ये होटल अपने कलाकारी के लिए लोगों के बीच आकर्षित है। यहां हर साल कलाकार अलग-अलग कलाकारियां करते हैं। आइए आपको आइस होटल की अन्य खासियत के बारे में बताते हैं, जो आपको हैरान कर सकती हैं...

नदी पर बना हुआ होटल

स्वीडन के टॉर्न नदी के ऊपर आइस होटल बना हुआ है। ये होटल पूरी तरह से बर्फ का बना हुआ होता है। इसकी खासियत है कि ये पिघलकर नदी का रूप ले लेता है। तय समय तक ये आइस होटल रहता है और फिर हर साल इसे बनाया जाता है। हर साल ये अलग-अलग आकर और कलाकारियों के साथ बनाया जाता है। जिसे देखने के लिए लोग दूर-दूर से आते हैं। यहां ठहरने के लिए पर्यटकों को 1 साल पहले ही बुकिंग करनी होती है।

अप्रैल के बाद पिघलना शुरु हो जाता है होटल

जब तक मौसम ठंडा और बर्फदार रहता है तब तक ये होटल अपने ठोस आकार में नदी पर मौजूद रहता है। वहीं, तापमान गर्म होने पर ये पिघलकर पानी में बदल जाता है। इसे हर साल नए-नए डिजाइन में बनाया जाता है। यहां आकार दुनियाभर के कलाकार अपनी कलाकारियां दिखाते हैं।

काफी कम तापमान के होते हैं कमरे

सोलर पॉवर कूलिंग की मदद से होटल के कमरों को बनाया जाता है। यहां ज्यादातर लाइट्स या अन्य उपकरणों को सौर ऊर्जा से ही चलाया जाता है। ये होटल इकोफ्रेंडली होने के कारण लोगों के लिए पहली पसंद में से एक है। यहां के कमरों का तापमान काफी कम होता है। बर्फ की मोटी-मोटी परत को काटकर कमरा बनाया जाता है। गर्मी आने तक ये होटल बर्फ के तौर पर रहता है और फिर अप्रैल के बाद पिघलना शुरु हो जाता है।

बर्फ के सेरेमनी हॉल और रेस्त्रां भी मौजूद

साल 1992 में पहली बार ये होटल खोला गया था। यहां मौजूद रेस्त्रां, सेरेमनी हॉल और कॉम्प्लेक्स को बर्फ से ही बनाया जाता है। इतना ही नहीं, होटल के फर्नीचर, दीवार, बार समेत अन्य चीजों को भी बर्फ से ही बनाया जाता है। यहां एक से एक डिजाइनिंग वाले कमरे मौजूद हैं।

कम से कम खर्च में घूमने के लिए अपनाएं यह टिप्स, जेब पर नहीं पड़ेगा जोर

घूमना आखिरकार किसे अच्छा नहीं लगता। हर दिन के तनाव और रूटीन से ब्रेक लेते हुए नई जगहों को एक्सप्लोर करने का अपना एक अलग ही आनंद है। लेकिन फिर भी मध्यम वर्गीय परिवार चाहकर भी घूमने नहीं जा पाते और उसकी वजह होती है बजट। चार-पांच महीने में अगर एक बार भी घूमने का प्लॉन बनाया जाए तो इससे पूरा बजट बिगड़ जाता है और सेविंग भी काफी हद तक खर्च हो जाती है। हो सकता है कि आप भी पैसों के चक्कर में घूमने ना जा रहे हों। लेकिन आज हम आपको कुछ ऐसे तरीके बता रहे हैं, जिसे अपनाकर आप ट्रेवलिंग के दौरान पैसों की भी बचत कर सकते हैं-

प्लान करें ट्रिप

जब आप किसी नई जगह पर घूमने का विचार कर रहे हैं और चाहते हैं कि उसमें आपके काफी सारे पैसे खर्च ना हो तो इसके लिए आपको अपनी ट्रिप को प्लॉन करना चाहिए। आप जहां जा रहे हैं, इसके लोगों, संस्कृति, रीति-रिवाजों और भोजन आदि के बारे में थोड़ा-बहुत जानना आपको बहुत परेशानी से बचाएगा। इसके अलावा रिसर्च आपको उन महंगे शहरों के बारे में बताएगा जिनसे आप बचना चाहते हैं। रिसर्च के जरिए आप उस जगह की सस्ती जगहों व लोकल फूड के बारे में जान पाएंगे।

सोच-समझकर चुनें एयरलाइन

यदि आप अपनी यात्रा के लिए सही एयरलाइन नहीं चुनते हैं तो आपको फ्लाइंग पर अतिरिक्त पैसा खर्च करना पड़ सकता है।एक बजट एयरलाइन आपको कुछ पैसे बचा सकती है, इसलिए ट्रेवल के लिए आप सोच-समझकर एयरलाइन बुक करें। साथ ही अलग-अलग समय पर फ्लाइंग के चार्जेस अलग होते हैं, इसलिए उस पर भी फोकस जरूर करें।

ऑफ-सीजन में यात्रा करें

यह एक ऐसी ट्रिक है, जो ट्रेवल के दौरान आपके काफी सारे पैसे खर्च होने से बचा सकती है। पीक सीज़न के दौरान यात्रा करने से आपको अधिक पैसे खर्च करने पड़ सकते हैं, इसलिए पीक सीज़न की यात्रा से बचना समझदारी है। एयरलाइंस, होटल और फूड प्राइस आदि छुट्टियों के दौरान और क्रिसमस, ईस्टर, ईद और दिवाली जैसे अवसरों पर बढ़ जाती हैं। ऐसे में आप ऑफ सीजन में घूमने का प्लॉन करें। इससे आपके पैसे भी कम खर्च होंगे और भीड़ कम होने के कारण आप अच्छी तरह एंजॉय भी कर पाएंगे।

खाएं लोकल फूड

अगर आप बजट में घूमना चाहते हैं तो आपको अपने फूड पर भी फोकस करना चाहिए। ओवरप्राइज्ड कैफ़े और रेस्तरां में आपको बहुत सारे पैसे खर्च करने पड़ सकते हैं जिन्हें आप स्थानीय स्थानों पर जाकर बचा सकते हैं जो ताजा भोजन परोसते हैं। इससे एक लाभ यह भी होगा कि आपको उस जगह के ऑथेटिंक फूड का स्वाद चखने का मौका मिलेगा।

हैप्पी हनीमून

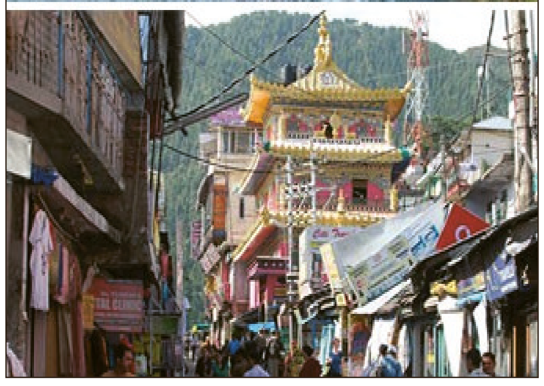

करना है पॉकेट फ्रेंडली हैप्पी हनीमून तो घूमें इन जगहों पर

शादी के बाद हनीमून किसी भी नवविवाहित जोड़े के लिए एक यादगार वक्त होता है। हनीमून ट्रिप को लेकर कपल्स के मन में कई तरह की एक्साइटमेंट होती है। लेकिन बहुत से कपल्स सिर्फ इसलिए हनीमून पर नहीं जा पाते, क्योंकि वह उनकी पॉकेट से बाहर होता है। हो सकता है कि आपकी भी जल्द शादी होने वाली है और आप कम बजट में हैप्पी हनीमून ट्रिप प्लॉन करना चाहते हैं तो ऐसे में आप इन जगहों पर जा सकते हैं-

हिमाचल प्रदेश

दिल्ली से 400 किलोमीटर की दूरी पर हिमाचल प्रदेश एक बेहद ही खूबसूरत जगह है, जहां पर आप कम बजट में अपने पार्टनर के साथ घूमने जा सकते हैं। यह आध्यात्मिक गुरु, दलाई लामा का घर है और इसमें कई जगह हैं, जैसे कि भागसू फॉल्स, शिव कैफ़े आदि जगहों पर जा सकते हैं और ट्रेकिंग और अन्य एडवेंचर्स एक्टिविटीज कर सकते हैं। यहां पर आपको व्यक्ति प्रति दिन 300 रूपए में ठहरने की जगह मिल सकती है।

केरल

केरल एक बेहद ही खूबसूरत राज्य है और न्यू कपल्स के लिए इसे एक बेहतरीन घूमने की जगह माना जाता है। यहां की नेचुरल ब्यूटी हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करती है। केरल को भगवान का अपना देश माना जाता है, जिस कारण हर व्यक्ति केरल के मंदिरों को देखना चाहता है। यहां बहुत सिद्ध मंदिर हैं। कुछ मंदिरों में पद्मनाभस्वामी मंदिर, गुरुवायुर मंदिर, वडक्कुन्नत मंदिर, अनंतपुरा झील मंदिर, थिरुमन्धाकुन्नु मंदिर, पडियानूर देवी मंदिर आदि प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। यह पद्मनाभस्वामी मंदिर है जो यहाँ बहुत प्रसिद्ध है।

उदयपुर

राजस्थान राज्य में कई बेहतरीन घूमने की जगहे हैं, लेकिन आप कम बजट में राजस्थान में हनीमून पर जाना चाहते हैं तो ऐसे में आपको उदयपुर जाना चाहिए। यह अपेक्षाकृत काफी सस्ता है। आप यहां पर सिटी पैलेस से लेकर पिंचोला झील आदि कई खूबसूरत जगहों का लुत्फ उठा सकते हैं।

आगरा

आगरा के ताजमहल को दुनिया के सात अजूबों में शामिल किया गया है। यह बेमिसाल प्यार की निशानी है। ऐसे में आपके लिए आगरा से बेहतर घूमने की जगह कौन सी होगी। यहां घूमने में आपको 5000 रूपए से भी कम का खर्च आएगा। आगरा में आप ताजमहल के अलावा आगरा का किला, फतेहपुर सिकरी आदि घूम सकते हैं। वैसे अगर आप आगरा जा रहे हैं तो वहां का फेमस पेठा खाना ना भूलें।

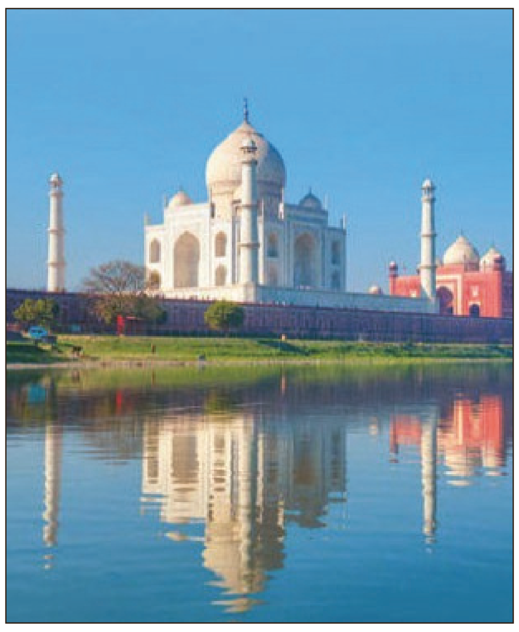

ठगी! कैंसर बीमारी के नाम पर महिला ने फंड से जुटाए 43 लाख, उन पैसों से किया वर्ल्ड ट्रैवल और जमकर शॉपिंग

नई दिल्ली। हाल ही में ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर क्राउडसोर्सिंग बहुत ही ज्यादा लोकप्रिय हो रहा है। कई लोगों ने क्राउडसोर्सिंग प्लेटफॉर्म पर अपना पंजीकरण कराना शुरू कर दिया है।अगर कोई व्यक्ति बीमार है और इलाज का खर्च नहीं उठा सकता है तो ये क्राउडसोर्सिंग प्लेटफॉर्म काफी मदद करते हैं। 'क्राउडसोर्सिंग प्लेटफॉर्म की बदौलत कई लोग बड़ी बीमारियों की चपेट से बाहर निकलने की कोशिश करते हैं। हालांकि ऐसे प्लेटफॉर्म पर बदमाशों और साइबर क्राइम का भी खतरा सबसे अधिक होता है। ऐसे कई उदाहरण है, जो मदद के नाम पर फर्जी दस्तावेज दिखाकर पैसे लुटते है। ऐसा ही कुछ निकोल एल्कब्बास नाम की 44 वर्षीय महिला ने किया है। इंग्लैंड के केंट की रहने वाली निकोल ने एक क्राउडसोर्सिंग वेबसाइट पर फर्जी अकाउंट बनाया। वहां निकोल ने कहा कि उसे डिम्बग्रंथि के कैंसर का पता चला है और उसे इलाज के लिए स्पेन जाना है। महिला ने शारीरिक रूप से बीमार होने का बहाना बनाकर गो फंड मी नाम की वेबसाइट से 43 लाख रुपये जुटाए। करीब 600 लोगों ने उनके इलाज के लिए आर्थिक मदद की। हालाँकि, बाद में पता चला कि वह उस पैसे से विदेश चली गयी जहां उसने उन पैसो से जुआ खेला और जमकर शॉपिंग भी की।महिला पर गो फंड मी की ओर से धोखाधड़ी का आरोप लगाया गया था। महिला ने अदालत को बताया कि उसकी पहले ही तीन सर्जरी हो चुकी हैं और उसने कीमोथेरेपी शुरू कर दी है। हालांकि, जांच के बाद पुलिस को पता चला कि पूरी घटना को अंजाम दिया गया था। निकोल एल्कब्बास नाम की किसी भी महिला को हाल ही में स्पेन के एक अस्पताल में कैंसर के इलाज के लिए भर्ती नहीं कराया गया है। अदालत में निकोल को दोषी पाया गया है। अदालत ने उन्हें 2 साल 9 महीने कैद की सजा सुनाई।

चिली की सबसे बड़ी कंपनी से हुई गलती, अपने कर्मचारी को एक बार में भेजी 286 महीने की सैलरी

सोचिए अगर आपको एक ही बार में 286 दिनों की सैलरी मिल जाए तो क्या हो जाए। ऐसा ही कुछ चिली देश के एक कर्मचारी के साथ हुआ है जहां एक कंपनी ने अपने एक कर्मचारी के अकाउंट में गलती से 286 महीने की सैलरी एक बार में ही भेज दी। कंपनी अपने कर्मचारी को पिछले महीने की सैलर भेज रहे थे और उसी दौरान यह घटना हो गई। कंपनी ने कर्मचारी से बात की और कर्मचारी ने सारे पैसे कंपनी को वापस करने का वादा किया और कहा कि वह सारे पैसे लौटा देगा। लेकिन वह अचानक गायब हो गया। पहले तो कर्मचारी ने कंपनी से रिजाइन किया और पैसे 286 दिनों की सैलरी लेकर गायब हो गया। खबरों के मुताबिक, यह घटना औद्योगिक खाद्य संघ (सीआईएएल) कंपनी का है। यह कंपनी चिली की सबसे बड़ी कंपनियों में से एक मानी जाती है। मई महीने में कंपनी ने गलती से एक कर्मचारी को 5 लाख पेसो यानि कि 43 हजार की जगह 1.42 करोड़ रुपये सैलरी के रूप में भेज दिया। कंपनी को जब तक एहसास हुआ, तह तक कर्मचारी पैसे लेकर गायब हो चुका था। अब कंपनी ने इस मामले में कानूनी कदम उठाने का फैसला किया। हाल के खबरों के अनुसार, कर्मचारी गायब हो गया है और पैसे वापस पाने के लिए सरकारी अधिकारियों से संपर्क कर रही है। कंपनी अब कर्मचारी के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ेगी।

डूबते पाकिस्तान को बचाएगा आईएमएफ, आर्थिक पैकेज बहाल करने के लिए रखी ये सख्त शर्तें

इस्लामाबाद। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने पाकिस्तान का आर्थिक पैकेज बहाल करने के लिए बिजली दरें बढ़ाने और पेट्रोलियम उत्पादों पर कर लगाने जैसी सख्त शर्तें लगाई हैं। इससे पहले नकदी के संकट से जूझ रहे पाकिस्तान ने आईएमएफ के साथ एक समझौता किया था जिससे उसका रुका हुआ 6 अरब डॉलर का सहायता पैकेज बहाल हो जाए। मीडिया में आई खबरों में सूत्रों के हवाले से कहा गया कि आईएमएफ ने पाकितान से कहा है कि वह एक भ्रष्टाचार निरोधी कार्यबल का गठन करे जो सरकारी विभागों में भ्रष्टाचार को रोकने के लिए बनाए गए वर्तमान कानूनों की समीक्षा करे। डॉन अखबार की खबर में कहा गया कि इन शर्तों के पालन के बाद आईएमएफ कर्ज को मंजूरी देने और कार्यक्रम को बहाल करने के पाकिस्तान के अनुरोध को कार्यकारी निदेशक मंडल के समक्ष पेश करेगा। इस प्रक्रिया में एक और महीने का वक्त लग जाएगा। एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार ने कहा कि आईएमएफ ने जो नई शर्तें लगाई हैं उनमें बिजली दरें बढ़ाना शामिल है। मंत्रिमंडल से कहा गया है कि वे 50 रुपये प्रति लीटर का पेट्रोलियम कर धीरे-धीरे करके लगाएं ताकि 855 अरब डॉलर की राशि एकत्रित की जा सके। इससे पहले, 22 जून को पाकिस्तान ने अपने रुके हुए 6 अरब डॉलर के सहायता पैकेज को बहाल करने के लिए और अन्य अंतरराष्ट्रीय स्रोतों से वित्तपोषण का रास्ता खोलने के लिए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के साथ एक समझौता किया था।

इमरान खान ने शहबाज़ सरकार पर लगाया 'लोगों को पीड़ा' देने का आरोप

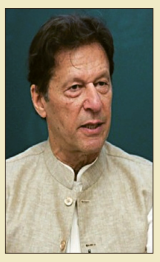

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के अपदस्थ प्रधानमंत्री इमरान खान ने मंगलवार को कहा कि उनकी सरकार ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के दबाव के बावजूद महंगाई का बोझ जनता पर नहीं डाला। इमरान ने शहबाज़ सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार ने खुद की सहूलियत के लिए लोगों को पीड़ा दी है। खान पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष हैं। उन्होंने देश की समग्र राजनीतिक और आर्थिक स्थिति पर चर्चा करने के लिए अपनी पार्टी की एक बैठक के दौरान यह टिप्पणी की। बैठक में दो जुलाई को इस्लामाबाद में महंगाई विरोधी रैली आयोजित करने से संबंधित मुद्दों पर भी चर्चा हुई।

रूस ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन की पत्नी और बेटी पर प्रतिबंध लगाया

मॉस्को । रूस ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन की पत्नी और बेटी पर प्रतिबंध लगा दिया हैं। रूस ने कहा कि अब अमेरिकी राष्ट्रपति की पत्नी और बेटी उनके देश में प्रवेश नहीं कर पाएंगे। रूसी विदेश मंत्रालय के अनुसार, बाइडेन की पत्नी जिल और बेटी एशले सहित 25 लोगों के नाम रूस की स्टॉप लिस्ट में जोड़े गए हैं। इसके अलावा अमेरिका के चार सीनेटरों के भी रूस में प्रवेश को प्रतिबंधित कर दिया गया है। रूस का दावा है कि ये सीनेटर उनके देश के खिलाफ काम कर रहे थे। इनमें रिपब्लिकन मिच मैककोनेल, सुसान कॉलिन्स, बेन सासे और डेमोक्रेट कर्स्टन गिलिब्रैंड के नाम हैं। प्रतिबंध सूची में 'द एंड ऑफ हिस्ट्री एंड द लास्ट मैन' के लेखक फ्रांसिस फुकुयामा का भी नाम है। विश्व के सबसे धनी लोकतंत्रों के नेताओं ने रूसी आक्रमण के खिलाफ यूक्रेन का समर्थन करने का संकल्प लिया। नेताओं ने जब तक आवश्यक हो, तब तक यूक्रेन का समर्थन करने के लिए एकजुट रुख अपनाकर कहा कि वे युद्ध को वित्तपोषित करने वाले तेल की बिक्री से रुसी आय को सीमित करने के लिए दूरगामी कदमों की संभावना का पता लगाएंगे। समूह के सदस्य देश एक निश्चित स्तर से ऊपर रूसी तेल के आयात को रोकने के उपायों की तलाश करने के लिए आने वाले हफ्तों में और अधिक चर्चा करेंगे। इससे रूसी आय का एक प्रमुख स्रोत प्रभावित होगा और वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर रही ऊर्जा की कीमतों से राहत दिलाएगा।

संसद में पास हुआ बोरिस जॉनसन का बिल, ईयू के साथ करार में संशोधन होगा

लंदन। ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन की यूरोपीय संघ के साथ ब्रेक्जिट पश्चात (पोस्ट ब्रेक्जिट) हस्ताक्षर किए गए व्यापार सौदे के कुछ हिस्सों को रद्द करने की पहल ने संसद में अपनी पहली बाधा पार कर ली है। हालांकि, विपक्षी दलों के नेताओं ने चेतावनी देते हुए इस कदम को अवैध बताया है। सांसदों ने 221 के मुकाबले 295 मतों से इस विधेयक को प्राथमिक मंजूरी दे दी जिसके तहत ब्रिटेन के अधिकारियों को उत्तरी आयरलैंड के लिए व्यापार नियमों को फिर से लिखने की अनुमति मिल जाएगी। यदि यह विधेयक पारित हुआ तो ब्रिटेन के बाकी हिस्सों से उत्तरी आयरलैंड में मांस-अंडा समेत अन्य सामान पहुंचने की राह में आने वाली बाधा समाप्त हो जाएगी। यही वजह है कि उस व्यापार सौदे के कुछ अंशों को रद्द किया जा रहा है, जिस पर जॉनसन ने वर्ष 2020 में ब्रिटेन के यूरोपीय संघ से बाहर होने से पहले हस्ताक्षर किए थे। जॉनसन का विरोध करने वाले विपक्षी नेताओं का कहना है कि यह कदम अवैध है और इस दिशा में आगे बढ़ने से ब्रिटेन की अंतरराष्ट्रीय छवि को गंभीर नुकसान पहुंचेगा। यूरोपीय संघ ने कहा कि यदि ब्रिटेन ब्रेक्जिट पश्चात के सौदों के नियमों को फिर से लिखता है, तो वह पलटवार करेगा। यूरोपीय संघ और ब्रिटेन के रुख से दो बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच व्यापार युद्ध शुरू होने की आशंका जताई जा रही है।

यूक्रेन के एक बाजार में रुसी मिसाइल गिरने के बाद उठता हुआ धूआं।

तालिबान के साथ संबंधों पर काम कर रहा है रूस: पुतिन

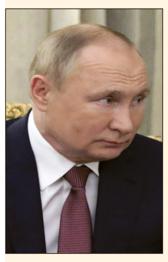

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि रूस तालिबान के साथ संबंध बनाने की कोशिश कर रहा है और मॉस्को चाहता है कि अफगानिस्तान में सभी जातीय समूह देश को चलाने में शामिल हों। पुतिन का यह बयान मंगलवार को ताजिकिस्तान के राष्ट्रपति इमोमाली रहमान के साथ बैठक में आया। दोनों नेताओं के बीच यह बैठक यूक्रेन संघर्ष की शुरुआत के बाद पुतिन की पहली विदेश यात्रा के दौरान हुई। ताजिकिस्तान में एक रूसी सैन्य अड्डा है। इसकी अफगानिस्तान के साथ एक लंबी सीमा है और उसे इस बात की चिंता है कि इस्लामी कट्टरवाद कहीं देश में न फैल जाए। ताजिकिस्तान की राजधानी दुशांबे में पुतिन ने कहा, ''हम सबकुछ कर रहे हैं ताकि उस देश में स्थिति सामान्य हो सके। हम स्थिति को नियंत्रित करने वाली राजनीतिक ताकतों के साथ संबंध बनाने का प्रयास कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''हम इस आधार पर काम कर रहे हैं कि अफगानिस्तान में सभी जातीय समूहों को, जैसा कि पहले ही कहा जा चुका है, देश को चलाने में उचित रूप से भाग लेना चाहिए।'' हालांकि रूस तालिबान को एक आतंकवादी समूह के रूप में नामित करता है, तालिबान का रूस में प्रतिनिधित्व है और एक प्रतिनिधिमंडल ने हाल ही में सेंट पीटर्सबर्ग अंतरराष्ट्रीय आर्थिक मंच में हिस्सा लिया था। पुतिन बुधवार को कैस्पियन सागर तटवर्ती देशों के नेताओं के एक शिखर सम्मेलन के लिए तुर्कमेनिस्तान की राजधानी अशगबत में होंगे।

चीन की बढ़ती दादागिरी के बीच अमेरिका ने 26 देशों के साथ मिलकर कर रहा सबसे बड़ा नौसैनिक अभ्यास

भारतीय नौसेना भी ले रही इस अभ्यास में भाग

टोयो (एजेंसी)।

चीन की बढ़ती दादागिरी के बीच अमेरिका ने कैलिफोर्निया के तट पर प्रशांत महासागर में दुनिया का सबसे बड़ा नौसैनिक अभ्यास शुरू किया है। अभ्यास में 26 देश हिस्सा ले रहे हैं। इस अभ्यास में अमेरिका सहित सभी देश अपने महाविनाशक जंगी जहाजों और हथियारों का प्रदर्शन कर रहे हैं। भारतीय नौसेना भी अभ्यास में अपनी जोरदार ताकत का प्रदर्शन कर रही है। भारत ने स्टील्थ फ्रीगेट आईएनएस सतपुणा और 1 अत्याधुनिक सबमरीन किलर निगरानी विमान पी- 8 आई भेजा है।

यह महाअभ्यास 29 जून से शुरू होकर 4 अगस्त तक चलेगा। अभ्यास के दौरान अमेरिका अपने मानवरहित युद्धपोतों का भी प्रदर्शन करने जा रहा है, जो तकनीक की दुनिया में अजुबा कहा जा रहा है। नौसैनिक अभ्यास के दौरान कई ड्रिल किए जाएंगे जिसमें समुद्र के अंदर छिपी पनडुब्बियों को खोज निकालना और बर्बाद करना, हवाई सुरक्षा अभ्यास और समुद्र में तस्करी रोकने के लिए अभियान को अंजाम दिया जाएगा। यह अभ्यास हिंद-प्रशांत क्षेत्र में हवाई द्वीप और दक्षिणी कैलिफोर्निया के आसपास होगा। यह वहीं इलाका है, जिसमें चीन के साथ अमेरिका का काफी तनाव चल रहा है।

अभ्यास को अमेरिका के हिंद-प्रशांत कमांड की ओर से आयोजित किया जा रहा है। इसमें 38 युद्धपोत, 4 सबमरीन और 9 जमीन आधारित सैन्य बल, करीब 170 एयरक्राफ्ट और 25 हजार सैनिक हिस्सा ले रहे हैं। इसमें सभी क्वाड सदस्य देश, ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी शामिल हैं। यह महाभ्यास उस समय पर शुरू हुआ है, जब चीन ने अपना तीसरा एयरक्राफ्ट कैरियर लांच किया है। चीन का यह पहला स्वदेशी एयरक्राफ्ट कैरियर महाविनाशक क्षमता से लैस है, हर तरीके के समुद्री हमले करने में सक्षम है। विश्लेषकों का मानना है कि चीन ताइवान पर जबरन कब्जा करना चाहता है और दुनिया पर राज करना चाहता है। इसकारण चीन ने दुनिया की सबसे बड़ी नौसेना बनाई है। अभी हाल ही में पीएलए की नौसेना ने जापान के ओकीनावा द्वीप के पास व्यापक युद्धाभ्यास किया था, उसके पहले एयरक्राफ्ट कैरियर पर कम से कम 300 विमानों ने लैंडिंग की और फिर उड़ान भरी थी। इस खतरे को भांपते हुए जापान ने अपनी सुरक्षा के लिए कई बड़े फैसले लिए थे। यही नहीं चीन और रूस अब अक्सर जापान सागर के पास अभ्यास कर रहे हैं। जापान रिमपैक अभ्यास में अपना सबसे बड़ा युद्धपोत भेज रहा है।

अमेरिका में गर्भपात पर लगे प्रतिबंधों पर लगी अस्थाई रोक

- गर्भपात पर लगे प्र?तिबंध मामले में दाखिल याचिका पर आठ जुलाई को होगी सुनवाई

न्यू ऑर्लीन्स (एजेंसी)।

अमेरिका के उच्चतम न्यायालय द्वारा रो बनाम वेड मामले में फैसला सुनाए जाने के बाद लुइसियाना और उताह की अदालतों ने गर्भपात पर लगे प्रतिबंधों पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी, जबकि साउथ कैरोलाइना की एक संघीय अदालत ने कहा कि गर्भधारण के छह सप्ताह बाद गर्भपात नहीं कराया जा सकता। उच्चतम न्यायालय द्वारा गर्भपात को मिले संवैधानिक संरक्षण को शुक्रवार को खत्म करने के बाद कई याचिकाएं दायर की गई हैं। एक पक्ष चाहता है कि प्रतिबंध तत्काल लागू हों और दूसरा पक्ष ऐसे कदमों को रोकने या इन्हें लागू करने के लिए और समय की मांग कर रहा है। अदालतों की अधिकांश गतिविधि ट्रिगर कानूनों पर केंद्रित थी जिन्हें 13 राज्यों द्वारा अपनाया गया है। इन्हें पिछले सप्ताह शीर्ष अदालत के फैसले के बाद तत्काल लागू करने के उद्देश्य से बनाया गया था। सेंटर फॉर रिप्रोडक्टिव राइट्स संगठन की अध्यक्ष और सीईओ नैंसी नॉर्थअप ने कहा कि हम कल अदालत में वापस आएंगे और उसके बाद भी अपील करते रहेंगे। उताह और लुइसियाना में ट्रिगर कानूनों को रोकने के लिए तत्काल फैसले दिए गए। उताह की अदालत ने गर्भपात पर लगे प्रतिबंध पर 14 दिन की रोक लगा दी ताकि इसे चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई हो सके। लुइसियाना ने गर्भपात पर प्रतिबंध पर अस्थायी रोक लगा दी। वहां इसके विरोध में दाखिल याचिका पर आठ जुलाई को सुनवाई होनी है।

पत्रकारों की अभिव्यक्ति के लिए उन्हें जेल नहीं होनी चाहिए: ज़ुबैर की गिरफ्तारी पर संरा के प्रवक्ता

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)।

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख एंटोनियो गुतारेस के एक प्रवक्ता ने भारत में ऑल्ट न्यूज़ के सह-संस्थापक मोहम्मद ज़ुबैर की गिरफ्तारी पर मंगलवार को कहा कि पत्रकारों को उनके लिखने, ट्वीट करने और कहने के लिए जेल नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह महत्वपूर्ण है कि लोगों को किसी भी तरह के उत्पीड़न की धमकी के बिना अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता होनी चाहिए। फैक्ट-चेकिंग वेबसाइट ऑल्ट न्यूज़ के सह-संस्थापक ज़ुबैर को 2018 में ट्वीट के जरिए धार्मिक भावनाओं को आहत करने के आरोप में सोमवार को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया था। उन्हें मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया, जहां से उन्हें एक दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। पत्रकार ज़ुबैर की गिरफ्तारी पर प्रतिक्रिया देते हुए महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा, दुनिया भर में किसी भी स्थान पर, यह बहुत महत्वपूर्ण है कि लोगों को खुद को स्वतंत्र रूप से व्यक्त करने की अनुमति दी जाए। पत्रकारों को खुद को स्वतंत्र रूप से व्यक्त करने की अनुमति दी जाए-- किसी खतरे या उत्पीड़न के बिना। दुजारिक यहां ज़ुबैर की गिरफ्तारी पर दैनिक मीडिया ब्रीफिंग में एक सवाल का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा, ÷पत्रकार जो लिखते हैं, जो ट्वीट करते हैं और जो कहते हैं, उसके लिए उन्हें जेल नहीं होनी चाहिए। और वे इस कमरे सहित दुनिया में कहीं भी जा सकते हैं। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार एजेंसी ने सामाजिक कार्यकर्ता सीतलवाड़ की गिरफ्तारी को लेकर चिंता व्यक्त की तथा उन्हें तत्काल रिहा करने का आह्वान किया। इसने मंगलवार को ट्वीट किया, हम तीस्ता सीतलवाड़ और दो पूर्व पुलिस अधिकारियों की गिरफ्तारी तथा हिरासत से बहुत चिंतित हैं और उनकी तत्काल रिहाई का आह्वान करते हैं। 2002 के गुजरात दंगों के पीड़ितों के साथ उनकी सक्रियता और एकजुटता के लिए उन्हें सताया नहीं जाना चाहिए।

करतारपुर गलियारा धार्मिक स्वतंत्रता के प्रति पाकिस्तान की प्रतिबद्धता को दिखाता है: बाजवा

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

पाकिस्तानी फौज के प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा ने ब्रिटिश सिख सैनिकों के एक प्रतिनिधिमंडल से कहा कि ऐतिहासिक करतारपुर गलियारा धार्मिक स्वतंत्रता एवं सद्भावना के प्रति पाकिस्तान की 'अटूट प्रतिबद्धता' की व्यवहारिक अभिव्यक्ति है। ब्रिटेन की 'फील्ड आर्मी' की उप कमांडर मेजर जनरल सेलिया जे हार्वे के नेतृत्व में 12 सदस्यीय समूह ने मंगलवार को रावलपिंडी में सेना के मुख्यालय में जनरल बाजवा से मुलाकात की।

मुलाकात के दौरान बाजवा ने प्रतिनिधिमंडल से कहा कि पाकिस्तान सभी धर्मों का सम्मान करता है और इस बात को मानता है कि मुल्क में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने की जरूरत है। करतारपुर गलियारा पाकिस्तान में गुरुद्वारा दरबार साहिब को भारत में पंजाब राज्य के गुरदासपुर जिले में स्थित डेरा बाबा नानक गुरुद्वारे से जोड़ता है। दरबार साहिब में सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव ने अपना अंतिम समय बिताया था। चार किलोमीटर लंबे गलियारे के माध्यम से भारतीय सिख श्रद्धालु बिना वीज़ा के दरबार साहिब जा सकते हैं।

ब्रिटिश सिख सैनिक लाहौर भी गए थे जहां वे बाघा सरहद पर झंडा उतारने के समारोह के गवाह बने। वे लाहौर के किले, अल्लामा इकबाल के मकबरे और बादशाही मस्जिद भी गए थे। प्रतिनिधिमंडल ने मुल्क में कई धार्मिक स्थलों का भी दौरा किया और ओरकजई जिले भी गए और समाना किला, लॉकहार्ट किला और सारागढ़ी स्मारक की भी यात्रा की। यह स्मारक उस स्थान को चिन्हित करता है, जहां 21 सिख सैनिकों ने 1897 में स्थानीय कबायली बागियों से लड़ते हुए अपने प्राणों की आहुति दी थी। सिखों के लिए इसका बहुत ऐतिहासिक महत्व है।

27 जून को सौर मंडल के पांच ग्रह एक लाइन में दिखाई दिए, अब 2041 में दिखाई देंगे

वाशिंगटन (एजेंसी)।

हमारे सौर मंडल के पांच ग्रह सोमवार को एक लाइन में आ गए, जिसके कारण एक दुर्लभ नजारा देखने को मिला। 18 साल बाद इस तरह का नजारा आसमान में दिखा है। अगर आप इस नजारे को देखने से चूक गए हैं, तब अब 2041 तक इंतजार करना होगा। बुध, शुक्र, मंगल, बृहस्पति और शनि ग्रह पृथ्वी के आसमान में एक लाइन में दिखाई दिए। ग्रहों के बीच अरबों किलोमीटर की दूरी होती है, उनकी घूमने की गति अलग-अलग है, इसके बाद इनका एक साथ एक सीधी रेखा में आना दुर्लभ नजारा है। ग्रहों के सीधी रेखा में आने की इस दुर्लभ घटना में चांद भी पीछे नहीं रहा। चंद्रमा भी सीधी रेखा के बीच में देखने को मिला, जिसने घटना को और भी खास बना दिया। खगोलविद डॉ जियानलुका मासी ने 26 जून को इटली की राजधानी रोम में चंद्रमा सहित पांचों ग्रहों को एक साथ देखने में कामयाब हुए। डॉ. मासी ने कहा, सभी पांच ग्रहों को नग्न आंखों से देखना समय-समय पर होने वाला अवसर है। लेकिन ये ग्रह इस समय सूर्य से दूर हो रहे हैं, इसके बाद उन्हें देखना दुर्लभ है। पिछली बार इस तरह का नजारा 2004 में देखने को मिला था। डॉ मासी ने कहा कि उत्तरी गोलार्ध में दुर्लभ ग्रहों को एक साथ सूर्योदय से 45 से 90 मिनट पहले अच्छी तरह से देखा गया। 10 जून से ही ये ग्रह एक सीधी रेखा में आ रहे थे।

प्रधानमंत्री मोदी और टूडो ने जलवायु परिवर्तन, हिंद-प्रशांत और यूक्रेन संकट पर की चर्चा

एल्माउ(जर्मनी)।(एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन टूडो ने जी-7 शिखर सम्मेलन से इतर यहां जलवायु परिवर्तन पर सहयोग, कोविड-19, मुक्त-खुला एवं समावेशी हिंद-प्रशांत क्षेत्र और यूक्रेन संकट समेत कई मुद्दों पर चर्चा की। टूडो के कार्यालय ने मंगलवार को यह जानकारी दी। मोदी और टूडो ने सोमवार को दक्षिणी जर्मनी में शिखर सम्मेलन के सुरम्य स्थल 'स्कलॉस एलमौ' में मुलाकात की।

प्रधानमंत्री टूडो के कार्यालय ने एक बयान में कहा कि नेताओं ने कनाडा और भारत के बीच बढ़ते व्यापार संबंधों के साथ-साथ दोनों देशों के लोगों के बीच लंबे समय से जारी संबंधों का स्वागत किया।

बयान के मुताबिक प्रधानमंत्रियों ने जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण, नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के विकास, कोविड-19 महामारी के प्रति वैश्विक प्रतिक्रिया और स्वतंत्र, खुले और समावेशी हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग पर चर्चा की। दोनों नेताओं ने जी-7 में चर्चा किए गए महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया, जिसमें लचीला लोकतंत्र और खाद्य सुरक्षा शामिल है।

बयान में कहा गया है कि उन्होंने यूक्रेन पर रूस के आक्रमण पर भी चर्चा की। भारत और अमेरिका समेत कई अन्य वैश्विक शक्तियां क्षेत्र में चीन की बढ़ती सैन्य गतिविधियों के संदर्भ में एक स्वतंत्र, खुले और संपन्न हिंद-प्रशांत क्षेत्र को सुनिश्चित करने की आवश्यकता के बारे में बात कर रही हैं। दोनों प्रधानमंत्रियों ने कनाडा और भारत के बीच द्विपक्षीय और जी-20, दोनों ही स्तर पर सहयोग बढ़ाने के अवसरों पर चर्चा की।

मोदी ने सोमवार को कहा था कि उन्होंने टूडो के साथ सार्थक मुलाकात के दौरान भारत-कनाडा संबंधों की पूरी समीक्षा की। मोदी ने ट्वीट किया था, ''व्यापार, संस्कृति और कृषि जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की अपार संभावनाएं हैं।''

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा था कि दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की और व्यापार और आर्थिक संबंधों, सुरक्षा में सहयोग तथा आतंकवाद के साथ-साथ दोनों देशों के लोगों के बीच संबंधों का विस्तार करने पर सहमति व्यक्त की। विदेश मंत्रालय द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि साझा मूल्यों वाले मजबूत लोकतंत्र के नेताओं के रूप में, उनकी एक लाभदायक बैठक हुई।

ग्वालियर रेलवे स्टेशन पर बम की अफवाह फैलाने के आरोप में मंदिर का पुजारी गिरफ्तार

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में पुलिस ने रेलवे स्टेशन पर बम की गलत सूचना देकर गुमराह करने के आरोप में 39 वर्षीय एक पुजारी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। शासकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) की पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) शुभा श्रीवास्तव ने कहा कि आरोपी लक्ष्मण दास को भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि आरोपी को ऐसा करने की आदत है और वह उत्तर प्रदेश में भी इस तरह की हरकतें कर चुका है। उन्होंने कहा कि आपातकालीन सेवा नंबर 100 पर सोमवार सुबह करीब साढ़े दस बजे एक फोन आया जिसमें रेलवे स्टेशन पर बम रखा होने का दावा किया गया। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने फोन नंबर के आधार पर उत्तर प्रदेश के आगरा जिले के खैरागढ़ के मूल निवासी दास का पता लगाया। आरोपी भिंड जिले के एक मंदिर में पुजारी है। उन्होंने कहा कि गलत सूचना देने के बाद आरोपी ने अपना फोन बंद कर दिया और मंगलवार को फोन चालू होने पर उसे गिरफ्तार किया गया। श्रीवास्तव ने कहा कि फोन पर बम की सूचना मिलने के बाद बम निरोधक दस्ते और खोजी कुत्तों ने ग्वालियर रेलवे स्टेशन की व्यापक तलाशी ली। तलाशी के बाद यह सूचना गलत निकली।

महाराष्ट्र में ओमिक्रोन के नए वेरिएंट के कुल 63 मामले

मुंबई। महाराष्ट्र में कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण ने एक बार फिर से हर किसी की धड़कनें बढ़ा दी है. महाराष्ट्र में कोरोना संक्रमण के मामलों में भारी उछाल देखने को मिल रहा है. साथ ही अस्पताल में भर्ती होने वाले कोरोना मरीजों की संख्या भी बढ़ रही है. हालांकि डॉक्टरों का कहना है कि कोरोना की वजह से अस्पताल जाने वाले मरीजों की संख्या बढ़ जरूर रही है, लेकिन इनमें से ज्यादातर मरीजों में गंभीर लक्षण नहीं हैं. कोरोना मामलों के तेजी के साथ हो रही बढ़ोतरी से महाराष्ट्र में कुल सक्रिय मामले 28 जून तक 25,481 थे. वहीं राज्य भर में ओमिक्रोन के नए वेरिएंट के मामले बढ़ते जा रहे हैं. नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी (एनआईवी), पुणे की नवीनतम जीनोम सिक्वेंसिंग रिपोर्ट के अनुसार, 9 मरीजों में ओमिक्रोन का नया वेरिएंट, बीए.5 और बीए.4 मिला है. इनमें से चार पालघर के, तीन रायगढ़ के और दो ठाणे के हैं. इससे राज्य में बीए.4 और बीए.5 के कुल चिन्हित मामले 63 हो गए हैं.

देश में बढ़ी कोरोना की रफ्तार, एक दिन में 23प्र. बढ़े मामले, 30 लोगों की मौत

नयी दिल्ली। भारत में पिछले एक दिन में कोरोना वायरस संक्रमण के 14,506 नए मामले सामने आए जिसके बाद कुल मामले बढ़कर 4,34,33,345 हो गए। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी। आंकड़ों के अनुसार, कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 99,602 हो गई है। सुबह आठ बजे तक अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, पिछले 24 घंटे में देश में महामारी से 30 मरीजों की मौत हो गई जिसके बाद मृतकों की कुल संख्या 5,25,077 पर पहुंच गई। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि उपचाराधीन मरीजों की संख्या संक्रमण के कुल मामलों का 0.23 प्रतिशत है जबकि कोविड से पीड़ित होने के बाद ठीक होने वाले मरीजों की दर 98.56 प्रतिशत है। पिछले एक दिन में उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 2,902 का इजाफा हुआ है। मंत्रालय के अनुसार, दैनिक संक्रमण दर 3.35 प्रतिशत है जो कि साप्ताहिक संक्रमण दर (3.36 प्रतिशत) के लगभग बराबर है। कोविड से स्वस्थ हो चुके लोगों की संख्या बढ़कर 4,28,08,666 हो गई है जबकि महामारी से होने वाली मृत्यु की दर 2.21 प्रतिशत है। मंत्रालय के अनुसार, देश में अब तक कोविड रोधी टीके की 197.46 करोड़ खुराक दी जा चुकी है। भारत में सामने आने वाले कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों की संख्या 19 दिसंबर 2020 को एक करोड़ से अधिक हो गई थी और गत वर्ष चार मई को यह संख्या दो करोड़ से ज्यादा हो गई थी। इस साल 25 जनवरी तक संक्रमण के चार करोड़ से ज्यादा मामले सामने आ चुके थे। बीते 24 घंटों में महामारी से होने वाली 30 मौतों में से 12 केरल में, पांच महाराष्ट्र में, चार दिल्ली में, तीन गोवा में, दो बिहार में हुई हैं। इसके अलावाकर्नाटक, पंजाब, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में एक-एक मरीज की मौत हुई है।

अग्निपथ योजना को लेकर उत्साह, भारतीय वायुसेना में भर्ती के लिए 6 दिन में 1.83 लाख से ज्यादा आवेदन

नई दिल्ली । भारतीय वायु सेना को अग्निपथ भर्ती योजना के तहत पंजीकरण प्रक्रिया शुरू होने के बाद छह दिन के भीतर 1.83 लाख से ज्यादा आवेदन मिले हैं। आधिकारिक सूचना में यह जानकारी सामने आई है। अग्निपथ भर्ती योजना के लिए पंजीकरण की प्रक्रिया 24 जून को शुरू हुई थी और रविवार तक 56,960 तथा सोमवार तक 94,281 आवेदन प्राप्त हुए थे। अग्निपथ भर्ती योजना की घोषणा 14 जून को की गई थी और इसके एक सप्ताह बाद तक योजना के विरोध में कई राज्यों में प्रदर्शन हुए थे। रिपोर्ट के मुताबिक वायु सेना ने बताया कि अब तक पंजीकरण वेबसाइट पर 1,83,634 भविष्य के अग्निवीरों ने आवेदन किया है। पंजीकरण पांच जुलाई को बंद होगा। योजना के तहत सरकार साढ़े सत्रह से 21 वर्ष के युवाओं को चार साल के कार्यकाल के लिए सशस्त्र बलों में भर्ती करेगी। जिसमें से 25 प्रतिशत को बाद में नियमित सेवा में लिया जाएगा। गौरतलब है कि भारतीय सेना के तीनों अंगों में भर्ती के लिए अग्निपथ योजना के तहत पहले साल करीब 46000 अग्निवीरों की भर्ती करने की योजना है। सेना धीरे-धीरे अग्निवीरों की भर्ती को बढ़ाकर 1.25 लाख तक कर सकती है। इस नई भर्ती योजना से भर्ती होने वाले 75 फीसद युवाओं को 4 साल की सेवा के बाद सेना से अवकाश देने का नियम बनाया गया है। शेष 25 फीसद जवानों की सेवा आगे जारी रहेगी। जिसका फैसला सेना उनके प्रदर्शन के आधार पर तय करेगी।

7 से 11 साल के बच्चों के लिए सीरम इंस्टीट्यूट की कोवोवैक्स को मिली मंजूरी

नई दिल्ली। ड्रग्स कंट्रोलर जनरल आफ इंडिया (डीसीजीआई) ने सीरम इंस्टीट्यूट के कोविड-19 वैक्सीन कोवोवैक्स को कुछ शर्तों के साथ सात से 11 वर्ष की आयु के बच्चों में इमरजेंसी इस्तेमाल की मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही जेनोवा बायोफार्मक्यूटिक्ल की एमआरएनए वैक्सीन की दो डोज को भी आपातकालीन उपयोग के लिए मंजूर की गई है। इसका इस्तेमाल 18 वर्ष से अधिक आयु के लोगों पर किया जाएगा। सूत्रों ने बताया कि यह पहली वैक्सीन होगी जिसका स्टोरेज 2-8 डिग्री सेल्सियस पर स्थिरता के साथ किया जा सकता है। इससे पहले पिछले सप्ताह सब्जेक्ट एक्सपर्ट कमेटी ने सात से 11 वर्ष के आयु वर्ग के लिए कोवोवैक्स को आपातकालीन उपयोग किए जाने सिफारिश की थी। सीरम इंस्टीट्यूट ने इस वैक्सीन के लिए 16 मार्च को आवेदन दिया था। पिछले महीने एक्सपर्ट कमेटी ने कंपनी से कुछ और डाटा की मांग की थी। शुरुआत में सीरम इंस्टीट्यूट ने दो से सात साल के बच्चों को भी कोवोवैक्स वैक्सीन देने के लिए इमरजेंसी इस्तेमाल की इजाजत मांगी थी लेकिन विशेषज्ञ समिति की ओर से सात से 11 साल के बच्चों को यह वैक्सीन देने की मंजूरी मिली है। डीसीजीआइ ने पिछले साल कोवोवैक्स वैक्सीन की विशेष परिस्थिति में वयस्कों को देने के लिए सीमित इमरजेंसी इस्तेमाल की मंजूरी दी थी। इसके बाद इस साल नौ मार्च को 12 से 17 साल के बच्चों को यह वैक्सीन विशेष परिस्थिति में देने की अनुमति दी थी। मई में कोविन पोर्टल पर किए गए प्रावधान के आधार पर एसआइआइ (एसआईआई) की कोवोवैक्स वैक्सीन 12 से 17 साल की आयु के बच्चों के लिए उपलब्ध हो गई है। कोवोवैक्स की पहली और दूसरी खुराक के बीच का समय 21 दिन है। बता दें कि इससे पहले डीसीजीआई ने 5 से 12 साल के लिए बायोलाजिकल ई के कार्बेवैक्स और 6-12 साल के बच्चों के लिए भारत बायोटेक के कोवैक्सिन के लिए प्रतिबंधित आपातकालीन मंजूरी को मंजूरी दे दी है, लेकिन एनटीएजीआई द्वारा अनुमोदन अभी भी लंबित है।

बीएसएफ और पाक रेंजर्स के बीच कमांडर स्तरीय बैठक हुई

नई दिल्ली। राजस्थान में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर भारत और पाकिस्तान के सीमा बलों के बीच कमांडर स्तर की एक बैठक हुई। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के एक प्रवक्ता ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बैठक मंगलवार को राज्य के बाड़मेर जिले के मुनाबाव में हुई।

भारतीय पक्ष का नेतृत्व सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के कमांडेंट जीएल मीणा ने किया और पड़ोसी देश का नेतृत्व पाकिस्तान रेंजर्स के विंग कमांडर लेफ्टिनेंट कर्नल मुराद अली खान ने किया। प्रवक्ता ने कहा इस तरह की बैठकें स्थानीय कमांडर (बटालियन) स्तर पर सीमा सुरक्षा संबंधी मुद्दों का समाधान तलाशने के लिए की जाती हैं। बीएसएफ 3,300 किमी से अधिक लंबी भारत-पाकिस्तानअंतरराष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा का जिम्मा संभालता है।

अग्निपथ स्कीम पर भिड़ गए जयराम रमेश और मनीष तिवारी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

अग्निपथ योजना को लेकर देशभर में विरोध प्रदर्शन किए गए। वहीं विपक्ष ने भी इसे मुद्दा बनाकर सरकार को घेरने की कोशिश की। कांग्रेस के बड़े नेता अब भी अग्निपथ योजना की आलोचना करने से नहीं चूकते हैं। इसी बीच कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मनीष तिवारी ने इस योजना की तारीफ कि और अपना समर्थन भी जताया। उन्होंने 'अग्निपथ' को आधुनिकीकरण की व्यापक प्रक्रिया का एक हिस्सा बताया। कांग्रेस ने सांसद मनीष तिवारी के इस लेख में व्यक्त किए गए विचारों से दूरी बना ली है। कांग्रेस ने कहा है कि यह योजना न केवल राष्ट्रहित बल्कि युवाओं के भविष्य से भी खिलवाड़ है। इस लेख को लेकर कांग्रेस के दो वरिष्ठ नेता भिड़ गए। कांग्रेस के कम्युनिकेशन हेड जयराम रमेश ने ट्विटर पर लिखा, कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने अग्निपथ पर लेख लिखा है। कांग्रेस एक लोकतांत्रिक दल है। यह कहना जरूरी है कि ये विचार उनके अपने हैं और पार्टी से इसका कोई मतलब नहीं है। पार्टी मानती है कि यह योजना राष्ट्र की सुरक्षा और युवाओं के खिलाफ है जिसे बिना चर्चा के ही थोप दिया गया है। जयराम रमेश के ट्वीट के बाद मनीष तिवारी ने भी ट्विटर पर तुरंत प्रतिक्रिया दी। उन्होंने लिखा, लेख की टैग लाइन में ही लिखा है कि ये लेखक के निजी विचार हैं। मेरा मानना है कि जयराम रमेश जी ने आर्टिकल को शुरू से आखिरी तक पढ़ा होगा। आप इसे यहां देख सकते हैं। बता दें कि ऐसा दूसरी बार हुआ है जब कि कांग्रेस ने इस योजना को लेकर मनीष तिवारी के विचारों से दूरी बनाई है। पहले भी मनीष तिवारी ट्वीट करके योजना का समर्थन कर चुके हैं। तब भी कांग्रेस ने बयान जारी कर इसे उनका निजी विचार बताया था। बता दें कि 16 जून को मनीष तिवारी ने पहली बार अग्निपथ का समर्थन किया था। उन्होंने कहा था, सच यह है कि भारत को युवाओं की फौज की जरूरत है जो कि तकनीकी ज्ञान में भी अग्रणी हो और आधुनिक हथियारों का प्रयोग जानती हो। सेना कोई रोजगार गारंटी का कार्यक्रम नहीं है। उनके इस बयान के बाद ओडिशा में सांसद कांग्रेस नेता सप्तगिरि उलाका ने कहा था कि मनीष तिवारी ने जो भी कहा, उससे हम इत्तेफाक नहीं रखते। हमारा स्टैंड अलग है और हम इसके बारे मे लोगों को बता चुके हैं।

मुंबई इमारत हादसा : कुछ फ्लैट मालिकों के खिलाफ गैर-इरादतन हत्या का मामला दर्ज

मुंबई। मुंबई पुलिस ने उपनगरीय कुर्ला में एक इमारत ढहने की घटना को लेकर कुछ फ्लैट के मालिकों और अन्य के खिलाफ गैर-इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया है। हादसे में 19 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 15 अन्य घायल हुए हैं। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कुर्ला की नाइक नगर को-ओपरेटिव सोसायटी में स्थित आवासीय इमारत का एक हिस्सा सोमवार देर रात ढह गया। बृहन्मुंबई महानगर निगम (बीएमसी) ने इमारत को रहने के लिहाज से खतरनाक घोषित कर दिया था, लेकिन रजनी राठौड़, किशोर चव्हाण, बालकृष्ण राठौड़ और दिलीप विश्वास सहित कुछ फ्लैट मालिकों ने फिर भी अपने फ्लैट किराए पर दिए। इन सभी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। अधिकारी ने बताया कि नेहरू नगर थाने में भारतीय दंड संहिता की धारा 304 (2), 308, 338, 337 और 34 के तहत फ्लैट मालिकों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। बीमएसी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इमारत का निर्माण 1973 में किया गया था। वहां रहने वाले लोगों ने इसकी मरम्मत कराने का आश्वासन देते हुए एक हलफनामा भी दिया था, लेकिन मरम्मत नहीं कराई गई।

उदयपुर की घटना यह न सिर्फ गैरकानूनी है, बल्कि गैर इस्लामी भी, ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने कहा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

देश के प्रमुख मुस्लिम संगठनों ने उदयपुर में दो मुस्लिम युवकों द्वारा दर्जी की निर्मम हत्या करने घटना की निंदा करते हुए बुधवार को कहा कि यह न सिर्फ गैरकानूनी है, बल्कि गैर इस्लामी भी है। इन संगठनों ने सभी से शांति बनाए रखने और किसी भी तरह से कानून हाथ में नहीं लेने की अपील की। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के महासचिव मौलाना खालिद सैफुल्लाह रहमानी ने एक कहा, भाजपा की निलंबित प्रवक्ता नूपुर शर्मा ने इस्लाम के पैग़म्बर के बारे में जो अपमानजनक शब्द कहे हैं, वह मुसलमानों के लिए अत्यन्त दुखदायी हैं। इसके साथ ही सरकार का उसपर कोई कार्यवाही न करना जख्म पर नमक छिड़कने जैसा है। इसके बावजूद कानून को अपने हाथ में लेना और किसी व्यक्ति की हत्या कर देना निदंनीय कृत्य है। न तब कानून इसकी अनुमति देता है और न इस्लामी शरीयत इसको जायज ठहराती है।

उन्होंने कहा, पर्सनल लॉ बोर्ड यह अपील करता है कि लोग धैर्य से काम लें और क़ानूनी मार्ग अपनाएं। सरकार से अपील है कि कोई भी पवित्र व्यक्तित्व के अपमान के संबंध में सख्त कानून बनना चाहिए और इसतरह के मामलों में तत्काल प्रभाव से कार्यवाही की जानी चाहिए।

जमीयत उलेमा-ए-हिंद के महासचिव मौलाना हकीमुद्दीन कासमी ने भी हत्या की घटना की निंदा की है। उन्होंने कहा, 'जिसने भी इस घटना को अंजाम दिया उस किसी भी तरह से जायज नहीं ठहराया जा सकता। यह देश के कानून और हमारे धर्म के खिलाफ है. हमारे देश में क़ानून की व्यवस्था है, किसी को भी क़ानूम अपने हाथ में लेने का अधिकार नहीं है।

कासमी ने इस अवसर पर देश के सभी नागरिकों से अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखने और देश में कानून व्यवस्था बनाए रखने में अपनी भूमिका निभाने की अपील की। जमात-ए-इस्लामी हिंद ने कहा, ''उदयपुर की घटना बर्बर, असभ्य है तथा इस्लाम में ऐसी हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है. हम इसकी कड़ी निंदा करते हैं। किसी भी नागरिक को कानून अपने हाथ में नहीं लेना चाहिए।

प्रधानमंत्री का 'गब्बर सिंह टैक्स' अब 'गृहस्थी सर्वनाश टैक्स' का रूप ले चुका है : राहुल गांधी

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कई खाद्य वस्तुओं पर माल एवं सेवा कर (जीएसटी) लगाए जाने के फैसले को लेकर बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री का 'गब्बर सिंह टैक्स' अब 'गृहस्थी सर्वनाश टैक्स' का विकराल रूप ले चुका है। उन्होंने ट्वीट किया, ''घटती आमदनी और रोज़गार, ऊपर से महंगाई का बढ़ रहा प्रहार। प्रधानमंत्री जी का 'गब्बर सिंह टैक्स' अब 'गृहस्थी सर्वनाश टैक्स' का विकराल रूप ले चुका है।''

अब दही, पनीर, शहद, मांस और मछली जैसे डिब्बा बंद और लेबल-युक्त खाद्य पदार्थों पर माल एवं सेवा कर (जीएसटी) लगेगा। साथ ही चेक जारी करने के एवज में बैंकों की तरफ से लिये जाने पर शुल्क पर भी जीएसटी देना पड़ेगा।

अधिकारियों ने कहा कि माल एवं सेवा कर से जुड़े मुद्दों पर निर्णय लेने वाली शीर्ष निकाय जीएसटी परिषद ने दरों को युक्तिसंगत बनाने के मकसद से छूट वापस लेने को लेकर राज्यों के वित्त मंत्रियो के समूह की ज्यादातर सिफारिशों को स्वीकार कर लिया है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता वाली परिषद में राज्यों के वित्त मंत्री शामिल हैं।

डीआरडीओ और भारतीय सेना ने एंटी टैंक गाइडेड मिसाइल का किया सफल परीक्षण

नई दिल्ली (एजेंसी)।

रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच डीआरडीओ ने युद्ध के मैदान में टैंकों को नेस्तानबूत करने की दिशा में स्वदेशी एंटी टैंक गाईडेड मिसाइल यानि एटीजीएम का सफल परीक्षण किया है। परीक्षण के दौरान भारतीय सेना के मेन बैटल टैंक एमबीटी अर्जुन से दागी गई स्वदेशी एटीजीएम बुल्स-आई को भेजने में कामयाब रही। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, लेजर गाईडेड एटीजीएम को भारतीय सेना के महाराष्ट्र के अहमदनगर स्थित आर्मर्ड कोर सेंटर एंड स्कूल की केके फायरिंग रेंज में परीक्षण किया गया। इस टेस्ट के दौरान एटीजीएम ने टारगेट को सीधा निशाना लगाया और टैक्सटबुक प्रेसशियन हासिल किया। इस दौरान टेलीमेटरी सिस्टम ने मिसाइल की फ्लाइट-परफोरमेंस को भी संतोषजनक रिकॉर्ड किया। डीआरडीओ के मुताबिक, पूरी तरह से स्वदेशी इस एटीजीएम में हाई एक्सपलोजिव एंटी टैंक वॉरहेड लगा है जिसके चलते ये ऐसे टैंक और आर्मर्ड गाड़ियां जिनमें एक्सपलोजिव रिएक्टिव आर्मर ईआरएलगा होता है उसे भी तबाह कर सकता है। इस एटीजीएम को कई प्लेटफॉर्म पर टेस्ट किया जा चुका है और मौजूदा परीक्षण भी एमबीटी अर्जुन टैंक की 120एमएम राइफल गन से किया गया था। आपको बता दें कि रूस-यूक्रेन जंग में बड़ी संख्या में टैंकों का इस्तेमाल किया गया है। लेकिन उन्नत किस्म के एटीजीएम का इस्तेमाल कर इन टैंकों को तबाह भी कर दिया गया है। ऐसे में किसी भी युद्ध में एटीजीएम एक अहम भूमिका निभाने जा रही है। डीआरडीओ के मुताबिक, किसी भी टैंक से निचले इलाकों में लक्ष्य को हासिल करना एक बड़ी चुनौती रहता है।

बुलडोजर ऐक्शन के खिलाफ अर्जी पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई 13 जुलाई तक टली

नई दिल्ली (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश में बुलडोजर ऐक्शन के खिलाफ दायर अर्जी पर सुनवाई सुप्रीम कोर्ट ने 13 जुलाई तक के लिए स्थगित कर दी है। जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने शीर्ष अदालत में अर्जी दाखिल की है कि यूपी में बिना जरूरी प्रक्रिया के किसी की भी संपत्ति अथवा निर्माण को ढहाया न जाए। इससे पहले अदालत में सुनवाई के दौरान यूपी सरकार ने कहा था कि जिनके भी निर्माणों को ढहाया गया है, वे अवैध थे और उसके लिए पूरी प्रक्रिया का पालन किया गया है। गर्मियों की छुट्टियों में सुनवाई के लिए बैठी जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जेबी परदीवाला की बेंच ने कहा कि जब इस मामले की सुनवाई अब इलाहाबाद हाई कोर्ट में चल रही है तो फिर उसे जारी रहने दिया जाए। कोर्ट ने कहा कि कल ही इस मामले की सुनवाई उच्च न्यायालय में हुई थी और कल भी से सुनवाई की तारीख है। इसके अलावा जावेद मोहम्मद की पत्नी परवीन फातिमा ने खुद ही अपने केस को आगे बढ़ाने का फैसला लिया है। इससे पहले यूपी सरकार ने शीर्ष अदालत में हलफनामा दाखिल कर कहा था कि जो भी कार्रवाई हुई है, उसमें प्रक्रिया का पालन किया गया है। इसके अलावा बुलडोजर की कार्रवाई दंगों में आरोपी होने के चलते किसी के खिलाफ नहीं हुई है बल्कि अवैध निर्माण बनाने को लेकर की गई है। यूपी सरकार की ओर से हलफनामा दायर कर यह बात कही गई है। यही नहीं यूपी सरकार की ओर से जमीयत-उलेमा-ए-हिंद की अर्जी पर ही सवाल खड़ा कर दिया था और उसे खारिज करने की मांग की थी। यूपी सरकार ने कहा था कि जमीयत ने कुछ मामलों को मीडिया रिपोर्टिंग का हवाला देते हुए गलत ढंग से पेश किया है। कोर्ट ने इससे पहले यूपी सरकार के बुलडोजर ऐक्शन पर रोक को लेकर अंतरिम आदेश पारित करने से इनकार कर दिया था। शीर्ष अदालत ने कहा था कि अवैध निर्माण को लेकर नियमानुसार कार्रवाई पर रोक नहीं लगाई जा सकती। गौरतलब है कि कानपुर और प्रयागराज में कुछ स्थानों पर बुलडोजर की कार्रवाई पिछले दिनों की गई थी।

दो साल बाद शुरू हुई अमरनाथ यात्रा, उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने पहले जत्थे को रवाना किया

जमू। (एजेंसी)।

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बुधवार सुबह जम्मू शहर के भगवती नगर आधार शिविर से वार्षिक अमरनाथ यात्रा के लिए तीर्थयात्रियों के पहले जत्थे को कश्मीर के पहलगाम और बालटाल आधार शिविरों की यात्रा के लिए रवाना किया। पवित्र गुफा में बाबा बर्फानी के दर्शन के लिये 43 दिवसीय तीर्थयात्रा बृहस्पतिवार को कश्मीर के दोनों आधार शिविरों से शुरू होगी और 11 अगस्त को रक्षा बंधन के अवसर पर इसका समापन होगा। कोविड-19 वैश्विक महामारी के कारण दो साल के अंतराल के बाद वार्षिक अमरनाथ यात्रा का आयोजन किया जा रहा है।

'बम बम भोले' और 'जय बर्फानी बाबा की' के नारे लगाते हुए तीर्थयात्री कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच वाहनों में भगवती नगर आधार शिविर से रवाना हुए। जम्मू के महापौर चंदर मोहन गुप्ता, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता देवेंद्र राणा, मुख्य सचिव डॉ. अरुण कुमार मेहता सहित कई राजनेता और अधिकारियों के साथ, उपराज्यपाल ने तीर्थयात्रियों को कश्मीर के दोनों आधार शिविरों तक ले जाने वाली बसों और अन्य वाहनों के काफिले को झंडी दिखाकर रवाना किया। जम्मू के महापौर चंद्र मोहन गुप्ता ने पत्रकारों से कहा, ''जम्मू से तीर्थयात्रा शुरू हो गई है। उपराज्यपाल द्वारा हरी झंडी दिखाकर काफिले को यहां से कश्मीर के लिए रवाना किया गया है।'' उन्होंने बताया कि तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए सभी प्रबंध किए गए हैं।

राजस्थान के बाड़मेर से आए एक तीर्थयात्री दलीप सिंह ने कहा, '' कोई डर नहीं है, कोई खतरा नहीं है, केवल पवित्र गुफा तक जल्दी पहुंचने और भगवान शिव के दर्शन करने का जुनून है।'' कानपुर के तीर्थयात्रियों के एक बड़े समूह का हिस्सा आशा देवी ने कहा, ''हम पूरे देश के लोगों से यहां आने और पूजा करने का आग्रह करते हैं।'' अधिकारियों ने बताया कि जम्मू शहर में 5,000 से अधिक सुरक्षाकर्मियों की तैनाती के साथ आधार शिविरों, ठहरने के स्थान, पंजीकरण और 'टोकन' केंद्रों पर तथा उसके आसपास बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई है। यात्रा 30 जून को दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में पारंपरिक 48 किलोमीटर के नुनवान मार्ग और मध्य कश्मीर के गांदरबल में 14 किलोमीटर के बालटाल मार्ग से शुरू होगी। अधिकारियों के अनुसार, वार्षिक अमरनाथ यात्रा के लिए अभी तक तीन लाख से अधिक तीर्थयात्रियों ने पंजीकरण कराया है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

विधायक श्रीमती जंखानाबेन पटेल सचिन में मुलाकात

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सचिन,सचिन पुलिस स्टेशन के पीछे कोम्युनिटी होल के पास पानी की बंद टांकी में से मानव कंकाल मिलने की घटना से,आग की तरह फैल गई और जैसे ही समाचार पत्रों और समाचार चैनलों द्वारा समाचार प्रसारित किया जा रहा था, चोर्यासी विधानसभा विधायक

लेकिन साथ में सचीन के आसपास के लोगों ने दिख कर यह आश्चर्यजनक हुई के चोर्यासी विधायक सचिन ज़खनाबेन पटेल ने इस समाचार को लेकर संज्ञान लिया और स्थानिक पदाधिकारी, सगंठन के सभ्य,पूर्व नगर सेवक और हालत में अभी कार्यरथ नगर सेवक कोई स्थल पर दिखाई नही दिया.

बिखरी हुई हड्डियां शामिल हैं। लेकिन अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि कंकाल को किसने फेंका, कहां से आया या किसने आत्महत्या की, क्योंकि दो फीट पानी में किसी ने आत्महत्या नहीं की और थाने में किसी के लापता होने की सूचना नहीं मिली. पुलिस जांच कर रही है। अब जब मानव कंकाल मिल गया है तो टंकी को पूरी तरह से साफ कर

सचिन के शरीर से मानव कंकाल मिलने की खबर पढ़ने के बाद विधायक श्रीमती ज़ंखानाबेन पटेल ने घटनास्थल का दौरा किया.

श्रीमती जंखानाबेन पटेल मौके पर पहुंच गईं, जिन्होंने प्रशासन को निर्देश दिया। इस मौके पर सचिन जर्नलिस्ट्स फेडरेशन के सभी पत्रकारों के कंकाल के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में उन्होंने मौके पर कहा कि यह टंकी नगर पालिका के जमाने में लोगों के इस्तेमाल के लिए बनाई गई थी. जब हम स्थानीय लोगों को पीने का पानी देने गए, तो टैंक लाखों की लागत से बनाया गया था और वही ढाई साल से गिर रहा है। लेकिन मिली जानकारी के अनुसार सचिन के इस अप्रयुक्त टैंक से सफाई के दौरान एक मानव कंकाल और बिखरी हुई हड्डियां मिलीं. इन मानव हड्डियों में खोपड़ी और

सिर्फ मीडियाकर्मियों की घटना स्थल की हाजरी होने से संगठन जर्नलिस्ट फेडरेशन ऑफ सचीन सुरत की टीम के साथ फोटाग्राफी भी किया गया.

उसकी मरम्मत करवाई जाएगी और जब पानी आएगा तो हम उसे जमा कर देंगे और सचिन के पीने का पूरा पानी दे देंगे। इस स्तर पर, एकमात्र पूर्व नगर सेवक और संगठन के अध्यक्ष गिरीशभाई पटेल को चोर्यासी विधायक सचिन ज़खनाबेन पटेल के साथ सचिन के प्रतिनिधि के रूप में देखा गया था, और वे हर समय मौजूद रहते थे, अपनी ज़रूरत की सभी जानकारी साझा करते थे।

प्रेमी को पाने के लिए माता ने 6 साल के बेटे को मार डाला, विवाहिता और उसका प्रेमी गिरफ्तार

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

वडोदरा,जिले के पसवा गांव से एक दिल दहलाने देनेवाली घटना सामने आई है,जिसमें प्रेमी को पाने की चाह में एक माता ने अपने ही बेटी को मौत के घाट उतार दिया। इस मामले में पुलिस ने विवाहिता समेत उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर कानूनी कार्यवाही शुरू की है। जानकारी के मुताबिक वडोदरा जिले की सावली तहसील के पसवा गांव निवासी सुमित्रा परमार दो संतानों की माता है। 8 साल पहले सुमित्रा की शादी मुकेश गोविंदभाई परमार के साथ हुई थी। पिछले एक साल से सुमित्रा के अपने मायके के निकट रहनेवाले किशन मनहरभाई रावल के साथ प्रेम संबंध चल रहे थे। विवाहेत्तर संबंधों के चलते सुमित्रा अपनी संतानों का भी ध्यान नहीं रखती और आए दिन अपने प्रेमी किशन से मिलने पंचमहल संबंध बरकरार रखे। हत्या से पहले 26 जून को पति मुकेश को नमक लेने भेज दिया। बाद सुमित्रा के माता-पिता समेत स्थानीय ग्रामवासियों ने उसे काफी समझाया। लेकिन

जिले की कालोल तहसील के वेजलपुर आती-जाती रहती। पति मुकेश को जब सुमित्रा के किशन के प्रेम संबंधों के बारे में पता चला तो उसे फटकार लगाई। लेकिन फटकार का सुमित्रा पर कोई असर नहीं हुआ और उसने किशन से दूसरी ओर किशन कार में सुमित्रा से मिलने पहुंच गया। स्थानीय लोगों ने किशन को देख लिया और उसे पकड़ कर ले आए। उसके बाद सुमित्रा के मायके वालों को बुलाया और उनकी बेटी की करतूतों से अवगत कराया। जिसके सुमित्रा पर इसका भी कोई असर नहीं हुआ। दूसरे ही दिन मुकेश और सुमित्रा के बीच झगड़ा हुआ। उस वक्त सुमित्रा ने पति को धमकी दी कि तुझे जो करना है कर ले, मैं सभी ठिकाने लगा दूंगी और किशन के साथ ही रहूंगी। इतना ही नहीं उसने अपने पति से कहा कि वह यहां से निकल जाए। बाद में मुकेश अपनी नौकरी के लिए निकल गया। मुकेश के जाने के बाद सुमित्रा प्रेमी किशन से मिलने जाना चाहती थी, लेकिन 6 वर्षीय बेटा बाधा बन रहा था। जिससे दोपहर के वक्त सुमित्रा ने अपने बेटे की गला घोंटकर हत्या कर दी और हत्या को दुर्घटना में खपाने के लिए उसका सिर घर के पीछे खंभे में फंसा दिया। जिसके बाद सुमित्रा वहां से फरार हो गई।

आसपास के लोगों को जब पता चला तो उन्होंने तुरंत पुलिस को घटना की सूचना दी। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने सुमित्रा और उसके प्रेमी किशन के खिलाफ न सिर्फ मामला दर्ज किया, बल्कि दोनों को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे ठूंस दिया।

सूरत में दिनदहाड़े मनी ट्रांसफर कर्मचारी से लूट, CCTV में बाइक सवार 3 लुटेरे रिकोर्ड

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत के उधना क्षेत्र में 5 सेकेंड में 28 लाख रुपये की लूट की घटना सामने आई है. दिन में ही मनी ट्रांसफर कर्मचारी को लूट लिया गया और तीन लुटेरे भाग गए। बाइक पर सवार तीनों लुटेरे बाइक पर जा रहे मनी ट्रांसफर कर्मचारी के पास से 28 लाख रुपये से भरा बैग लेकर फरार हो गए.

28 लाख रुपये की लूट की सूचना पर पुलिस का एक बड़ा काफिला मौके पर पहुंचा और मौके पर पहुंचा. उधना पुलिस समेत सूरत अपराध शाखा के वरिष्ठ अधिकारियों का एक बड़ा काफिला मौके पर पहुंचा और जांच पड़ताल की. पुलिस ने बाइक सवार लुटेरे को पकड़ने के लिए जांच शुरूकर दी है।

सज्जन सिंह परमार (डीसीपी) ने कहा कि बैग में 28 लाख रुपये से अधिक नकद था। आज कार्यालय से निकलकर सचिन, भेस्तान और पांडेसरा दोपहर में डीलरों से पैसे लेने के लिए घर जा रहे थे। सर्विस रोड पर जाकर बाइक में पेट्रोल पंप के पास बाइक की रफ्तार धीमी हो गई। इसी बीच अगली तीन सवारी में बाइक सवार ऐसे ही बैग पकड़कर फरार हो गए। बैग में 28 लाख रुपये से अधिक की नकदी थी। फरियाद दर्ज कर जाँच पुलिस कर रही है